CNews सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-14, अंक-282
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, सोमवार 15 जनवरी 2024

आज का विचार

तुम अपनी मंजिल तय कर लो दोस्त, रास्ता अपने आप मिल जाएगा !

राहुल ने इम्फाल वेस्ट से यात्रा शुरू की, रात को नगालैंड पहुंचेंगे

भारत जोड़ो न्याय यात्रा का दूसरा दिन

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का आज 15 जनवरी को दूसरा दिन है. राहुल ने पश्चिम इंफाल के सेकमाई से यात्रा शुरू की. वे बस से यात्रा कर रहे हैं. यह यात्रा 14 जनवरी को मणिपुर के थोबल से शुरू हुई थी। मणिपुर में एक दिन की यात्रा के बाद आज वे नागालैंड जाएंगे. दो दिनों में 257 किलोमीटर और 5 जिलों को कवर करेंगे. 66 दिनों तक चलने वाली यह भारत जोड़ो न्याय यात्रा देश के 15 राज्यों और 110 जिलों से होकर गुजरेगी. राहुल गांधी विभिन्न स्थानों पर रुकेंगे और स्थानीय लोगों से बातचीत करेंगे. इस बीच राहुल 6700 किमी की दूरी तय करेंगे. यात्रा 20 मार्च को मुंबई में समाप्त होगी.

प्रतिबंधित चाइना डोर से गला कटने से 7 साल के मासूम की मौत

सिटी चीफ...धार। मध्यप्रदेश के धार में प्रतिबंधित चाइना डोर से गला कटने से एक सात साल के मासूम की मौत हो गई। घटना शाम करीब 6.15 बजे की है। कनिष्क अपने पिता विनोद चौहान के साथ बाजार जा रहा था। इसी दौरान ये हादसा हो गया। पिता सहित आसपास के लोग बच्चे को गंभीर अवस्था में निजी अस्पताल लेकर पहुंचे थे, इसके बाद उसे शासकीय अस्पताल में बच्चे की मौत हो गई।

प्रतिबंध के बाद भी चायना डोर का उपयोग जारी है। पतंगबाजी के उत्साह में चाइना डोर जानलेवा बन रही है। पतंगबाज प्रतिबंधित चाइना डोर का उपयोग ना करें, इसको लेकर प्रशासन भी लोगों से अपील कर रहे है। याद रहे कि 1 दिसंबर को चाइना डोर पर लगाये गये प्रतिबंध के बाद से ही पुलिस दुकानों पर सर्चिंग कर रही है। पतंग-डोर के कारोबार से जुड़े व्यापारियों को पूर्व में ही सख्त हिदायत दी जा चुकी है। वहीं उनके आधार कार्ड प्राप्त कर करोबार करने वालों का डाटा एकत्रित कर

सिंहस्थ 2028 से पूर्व क्षिप्रा नदी की शुद्धि के लिए तैयार करें कार्ययोजनाः मुख्यमंत्री

सिटी चीफ...भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने सिंहस्थ 2028 के मद्देनजर क्षिप्रा नदी का पानी स्वच्छ निर्मल एवं आचमन योग्य बनाने के लिए इंदौर, उज्जैन एवं देवास के संबंधित अधिकारियों को क्षिप्रा नदी को साफ रखने की कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने गंदे पानी को रोकने के लिए जगह-जगह स्टॉप डैम बनाने के भी निर्देश दिये। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव उज्जैन में आयोजित होने वाले सिंहस्थ 2028 के विकास कार्य एवं क्षिप्रा शुद्धिकरण के संबंध में रविवार को आयोजित उच्च स्तरीय बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इंदौर एवं उज्जैन संभाग के संभागायुक्तों एवं कलेक्टर्स को कार्ययोजनाएं बनाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर महाकाल लोक फेस-3 के कार्यों की भी शुरूआत की जायेगी। उन्होंने क्षिप्रा के उद्गम से लेकर समाप्ति स्थल तक घाटों पर सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने की विस्तृत कार्ययोजनाएं बनाने का निर्देश दिये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देश का सबसे बड़ा कुंभ मेला सिहस्थ 12 वर्ष में एक बार उज्जैन में आयोजित होता है जब सिंह राशि में बृहस्पति प्रवेश करते हैं। मेले में साधु, संत, महामंडलेश्वर, गणमान्य नागरिक एवं आम श्रद्धालु बड़ी संख्या में शामिल होते हैं। सिंहस्थ का आयोजन न केवल उज्जैन बल्कि देश के लिए एक गौरवशाली क्षण होता है। उन्होंने कहा कि उज्जैन के अलावा सिंहस्थ मेले का इंदौर, देवास, ओंकारेश्वर दादा धुनी वाले, पशुपतिनाथ मंदिर, बगलामुखी मंदिर में भी सिंहस्थ मेले का विस्तार रहता है। सभी जगह आम जनता की सहभागिता रहती है । जब श्रद्धालु आए तो मेले में गौरव का अनुभव करें। सिहस्थ 2028 की प्लानिंग साधु संतों की सलाह पर करने और उनके परामर्श से ही कार्ययोजनाएं बनाने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने कान्ह नदी का गंदा पानी क्षिप्रा में रोकने के लिए बनाई गई 99 करोड़ रुपये की डायवर्जन प्लानिंग पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि एक बार में ही ऐसी योजना बनायें कि क्षिप्रा का जल पीने और आचमन योग्य बन जाए। गलत प्लानिंग के लिये अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। उन्होंने कहा कि नमामि गंगे प्रोजेक्ट के तहत केंद्र सरकार से क्षिप्रा शुद्धिकरण के लिए आवश्यक बजट की मांग की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को केंद्रीय जल संसाधन मंत्रालय से संपर्क कर मार्गदर्शन प्राप्त करने को कहा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमेशा की तरह इस बार भी सिंहस्थ मेला गौरवशाली सनातन परंपरा के अनुसार आयोजित किया जायेगा। इसके लिए क्षिप्रा नदी शुद्धिकरण के साथ ही उज्जैन के महाकाल मंदिर तक जाने के लिए सड़क मार्ग चौड़ीकरण, मंदिर तक जाने के लिए वैकल्पिक मार्ग की प्लानिंग, पावर स्टेशन, हवाई पट्टी विस्तार, संग्रहालय, यात्रियों के ठहरने की व्यवस्था, वाहन पार्किंग आदि के भी विकास कार्य पूरा किये जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि भीड़ प्रबंधन के लिए भी वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। वाहन पार्किंग एवं शुद्ध पेयजल तथा ठहरने की अच्छी व्यवस्था भी की जाएगी। भीड़ नियंत्रण पर प्रभावी कार्रवाई के संबंध में मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकाल मंदिर के अलावा राम जनार्दन मंदिर, सिद्धनाथ, काल भैरव जहां सेटेलाइट टावर है, वहां भी भीड़ को व्यवस्थित करने के लिए आवश्यक प्लान बनाए जाएंगे। डॉ यादव ने कहा की एक ही सड़क पर भीड़ का भार डालना उचित नहीं है, इसके लिए चार से पांच वैकल्पिक मार्ग भी बनाए जाएंगे। उन्होंने प्रमुख चौराहों का सौदर्यीकरण करने, हरि फाटक ब्रिज के चौड़ीकरण, के भी निर्देश दिए। साथ ही कहा कि बियाबानी चौराहा से बीमा अस्पताल, अस्पताल से कोयला फाटक तक बेहतर सड़क कनेक्टिविटी हो । एम आर से बड़े पुल तक सडक कनेक्टिविटी हो। इसके अलावा ढाबा रोड का भी चौडी करण किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि केडी गेट से निकास चौराहे तक के पहले से चल रहे रूटीन कार्य होते रहे। विभिन्न धर्मों के लोग यदि उज्जैन में धर्मशाला बनाना चाहते हैं तो उन्हें पूरी सुविधा उपलब्ध कराई जायेगी। उन्होंने कहा कि जहां-जहां अच्छे घाट हैं वहां पर श्रद्धालुओं के स्नान की भी बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी ।मुख्यमंत्री ने कहा कि अब किसी भी कार्य योजना में कोई चूक नहीं होनी चाहिए सभी योजनाएं शत प्रतिशत सफल होनी चाहिए। उन्होंने पार्वती काली सिंध नदी लिंक योजना पर निर्णय लिया जायेगा। बैठक में सांसद अनिल फिरोजिया, विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉक्टर राजेश राजौरा, संभागायुक्त इंदौर माल सिंह, संभागायुक्त उज्जैन डॉक्टर संजय गोयल, कलेक्टर इंदौर आशीष सिंह, कलेक्टर उज्जैन नीरज सिंह, कलेक्टर देवास ऋषभ गुप्ता, नगर निगम आयुक्त सहित संबंधित अधिकारी गण उपस्थित थे।

सिंहस्थ 2028 में 12 करोड श्रद्धालुओं का अनुमान

बताया गया कि सिंहस्थ 2028 में 12 करोड श्रद्धालुओं का अनुमान है। इसके लिए सभी मूलभूत आवश्यकताओं की व्यवस्था की जाएगी। इंदौर में क्षिप्रा नदी में नालो का गंदा पानी रोकने के लिए 9 स्टॉप डैम बनाए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह 9 स्टाप डैम वहां-वहां बनाए जाएंगे जहां-जहां गंदे नाले का पानी क्षिप्रा में मिल रहा है। विभिन्न देवस्थानों, वाल्मीकि घाट, सिद्धवट, काल भैरव, सिद्धनाथ आदि के घाटों का भी विस्तार होगा। जहां-जहां संत रहते हैं उन घाटों का विस्तार प्राथमिकता से किया जाएगा, एवं मेला क्षेत्र में भी आवश्यक मूलभूत आवश्यकताओं की व्यवस्था की जाएगी ।

गुना में डिवाइडर का खंभा तोड़ते हुए बस पलटी, ड्राइवर-क्लीनर भागे

गुना। मध्य प्रदेश में सड़क हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। एक बार फिर गुना में बस हादसे की खबर सामने आई है। सोमवार सुबह करीब साढ़े 7 बजे बेकाबू होकर बस डिवाइडर का खंभा तोड़ते हुए पलट गई। गनीमत रही कि हादसे के समय कोई भी यात्री मौजूद नहीं था। घटना के बाद ड्राइवर और क्लीनर मौके से भाग गए।

सीएम मोहन यादव ने श्रीराम मंदिर अयोध्या के लिए बनाए लड्डू, पैकेट भी किए पैक, तस्वीरें आई सामने

सिटी चीफ...इंदौर। अयोध्या के मंदिर में भले ही भगवान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी 2024 सोमवार को होगी, लेकिन इस उत्सव में बाबा महाकाल के लड्डुओं की मिठास भी बनी रहे, इसके लिए मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव उज्जैन से बाबा महाकाल की 5 लाख लड्डू प्रसादी अयोध्या भेजने की घोषणा तो कर ही चुके हैं, लेकिन इस प्रसादी का निर्माण और कार्य कितने प्रतिशत पूर्ण हुआ और इन लड्डुओं को कब तक अयोध्या के लिए भेजा जा सकता है, इसी बात की जानकारी लेने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव आज सुबह श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की चिंतामन जवासिया स्थित श्री महाकालेश्वर भगवान के भोग लड्डू निर्माण इकाई पहुंचे। यहां उन्होंने लड्डू इकाई में बैठकर लड्डू बनाए और पैकिंग करने के साथ ही उपस्थित कारीगरों से चर्चा भी की।

पोंगल उत्सव में बच्ची की संगीत प्रस्तुति से खुश होकर प्रधानमंत्री मोदी ने भेंट की अपनी शॉल

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को पोंगल उत्सव कार्यक्रम के दौरान एक बच्ची की संगीत प्रस्तुति से खुश होकर उसे अपनी शॉल भेंट की। दरअसल पीएम नरेंद्र मोदी, मंत्री एल मुरुगन के आवास पर पोंगल उत्सव में शामिल हुए थे। इस दौरान यहाँ कई बाल कलाकारों ने प्रस्तुति दी। इनमें से एक बच्ची ने इस समारोह में अपनी गायकी से सभी को चकित कर दिया। पोंगल उत्सव में पीएम मोदी इस बाल कलाकार की प्रस्तुति से इतने खुश हुए की उन्होंने इस बच्ची को अपने पास बुलाया और उसे आशीर्वाद स्वरुप अपनी शॉल दे दी। इस कार्यक्रम में पुडुचेरी की उपराज्यपाल और तेलंगाना की राज्यपाल तमिलिसाई सौंदर्यराजन और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण भी मौजूद थीं। दिल्ली में पोंगल समारोह के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, पोंगल के पवित्र दिन तमिलनाडु के हर घर से पोंगल धारा का प्रवाह होता है। मेरी कामना है कि, उसी तरह आपके जीवन में भी सुख, समृद्धि और संतोष की धारा का प्रवाह निरंतर होता रहे। कल ही देश ने लोहड़ी का पर्व धूमधाम से मनाया है। कुछ लोग आज मकर संक्रांति, उत्तरायण मना रहे हैं, कुछ लोग कल मनाएंगे। माघ बिहू भी बस आने ही वाला है। मैं इन सब पर्वों की सभी देशवासियों को बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।

मैच जीत कर महाकाल पहुंचे भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ी, दिव्य भस्म आरती के दर्शन किए

सिटी चीफ... उज्जैन। मध्य प्रदेश के उज्जैन के विश्व प्रसिद्धश्री महाकालेश्वर मंदिर में सोमवार सुबह हुई भस्म आरती में भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ी शामिल हुए। उन्होंने नंदी हॉल से बैठकर बाबा महाकाल की दिव्य भस्म आरती के दर्शन किए। देश भर से बड़ी संख्या में महाकाल के भक्तों का मंदिर में आने का सिलसिला जारी है। रविवार को इंदौर में खेले गए भारत और अफगानिस्तान के बीच के मैच में भारतीय टीम को मिली जीत के बाद भारतीय टीम के चार खिलाड़ी उज्जैन पहुंचे। रवि बिश्नोई, तिलक वर्मा, वाशिंगटन सुंदर और जितेश शर्मा ने नंदी हाल में से भगवान महाकाल की आरती देख आशीर्वाद लिया। इस दौरान वे बाबा महाकाल की भक्ति में लीन दिखाई दिए जिन्होंने नंदी हॉल में बैठकर भस्म आरती को निहारा और बाबा का आशीर्वाद लिया। चारों सदस्य टीम भारत की जीत के बाद बेहद खुश नजर आ रहे थे। करीब दो घंटे तक भस्म आरती में शामिल होने के बाद सभी इंदौर के लिए रवाना हो गए। 'आरती देख धन्य हो गए' ोमवार सुबह बाबा महाकाल की भस्म आरती देखने के बाद भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ी जितेश शर्मा ने मीडिया से बातचीत में कहा कि मैं बाबा महाकाल का भक्त हूं और समय मिलते ही बाबा के दर्शन करने आ जाता हूं, मुझे यहां आकर अद्भुत आनंद की प्राप्ति होती है। जबकि बाबा महाकाल के पहली बार दर्शन करने आए खिलाड़ी रवि बिश्नोई ने बताया कि विश्व प्रसिद्ध बाबा महाकाल के मंदिर और यहां होने वाली भस्म आरती के बारे में सुना तो था, लेकिन आज पहली बार इस आरती में शामिल होने और इसके दिव्य दर्शन करने का मौका मिला। अन्य खिलाड़ी भी बाबा महाकाल के इन दर्शनों का लाभ लेकर प्रसन्न नजर आए।

सिंगल कॉलम

रहवासियों को फ्लैट में बंद कर लाखों रुपये के आभूषण ले उड़े चोर, सीसीटीवी भी बदं, तलाश जारी

सिटी चीफ...इंदौर। *मनोरमागंज जैसे पाश क्षेत्र से चोर लाखों रुपये कीमत के आभूषण चुराकर फरार हो गए। चोरों ने इमारत की तीसरी मंजिल के चार फ्लैट को बाहर से बंद कर वारदात की है। इमारत में सीसीटीवी कैमरे भी नहीं हैं। पुलिस करीबी इमारतों के कैमरों को खंगाल रही है। पलासिया टीआइ जगदीश प्रसाद जमरे के मुताबिक वारदात मनोरमागंज स्थित नव रीजेंसी में रहने वाले आरआर गोयल के फ्लैट में हुई। निजी कंपनी के अधिकारी गोयल परिवार सहित गोवा गए हैं। शनिवार रात चोरों ने तीसरी मंजिल स्थित फ्लैट का ताला तोड़ा और सोने-चांदी के आभूषण व नकदी रुपये चुरा लिए। तीसरी मंजिल पर पांच फ्लैट हैं। चोरों ने चार फ्लैट को बाहर से बंद किया। चौकीदार बद्री पाटिल की पत्नी सुबह साफ-सफाई करने गई तो रहवासियों ने फ्लैट की कुंडी खुलवाई। गोयल के फ्लैट का दरवाजा खुला देखा और तत्काल सूचना दी। सहयोगियों से सूचना मिलने पर एसीपी तुषारसिंह और एफएसएल अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। टीआइ के मुताबिक चोर डेढ़ लाख रुपये, सोने की आठ अंगूठियां, दो हार सेट, सात ईयर रिंग, सोने की चार चेन, सोने की रखड़ी, नथ, सोने के दो कड़े, हीरा जड़ा मंगलसूत्र, सोने का मंगलसूत्र, सोने के दो ब्रेसलेट, हीरा जड़ा ब्रेसलेट, कीमती नग की अंगूठी, हीरे की अंगूठी, पांच जोड़ कमरबंद, चांदी के सिक्के चोरी होने की जानकारी मिली है। टीआइ के मुताबिक इमारत में चौकीदार भी रहता है। उसने पूछताछ में बताया कि रात को सो गया था।*

ट्रेंचिंग ग्राउंड में मांस से भरा वाहन मिला, बजरंग दल ने गोमांस होने का लगाया आरोप, हंगामा

सिटी चीफ...इंदौर। *देवगुराड़िया स्थित ट्रेंचिंग ग्राउंड में रविवार देर रात मांस से भरा वाहन मिला। पता तब चला जब शक होने पर बजरंग दल के कार्यकर्ता ने गाड़ी रोकी तो ड्राइवर वाहन छोड़कर भाग निकला। मांस के बारे में ट्रेंचिग ग्राउंड और नगर निगम के मीट प्रभारी जानकारी नहीं दे पाए तो लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया। बजरंग दल ने गोमांस होने का शक जताया। आक्रोशित लोगों ने बायपास पर जाम लगा दिया। वाहन के कांच भी फोड़ दिए गए। शहर में श्रीराम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में आयोजनों की तैयारी चल रही है। इसी में बजरंग दल के कार्यकर्ता भी अपने कार्य में लगे हैं। कार्यकर्ता अशीष सालवी ने बताया कि एक कार्यकर्ता ट्रेंचिग ग्राउंड के पास से निकला तो लोडिंग वाहन से बदबू आ रही थी। शक होने पर कार्यकर्ता वाहन के पास गया और ड्राइवर से पूछा तो वह वाहन छोड़कर भाग गया। फिर कार्यकर्ता ने लोगों को बुलाया। कार्यकर्ताओं ने बताया कि ग्राउंड के जिम्मेदार बता रहे थे कि वे खजराना से यह मांस लाए हैं। जब कागज मांगे तो नहीं दिखा पाया। साथ ही यह निगम का वाहन नहीं था, कोई प्राइवेट है। निगम ने सफाई दी कि हमारा वाहन सर्विस के लिए गया है तो प्राइवेट वाहन में काम कर रहे हैं। सालवी ने बताया कि एक बार मीट प्रभारी ने भी इस मांस को गोमांस के रूप में कबूला था लेकिन बाद में अधिकारियों के दबाव में पलट गए।*

उषानगर में होगा अजीब दास्तां नाटक का मंचन, तोपखाना गुरुद्वारा में सजेगा दीवान

सिटी चीफ...इंदौर। *शहर में विभिन्न धार्मिक-सामाजिक और सांस्कृतिक संगठनों के कार्यक्रम 15 जनवरी को होंगे। इसमें मकर सक्रांति के उपलक्ष्य में स्नान-दान और पूजन के लिए मठ-मंदिरों में शहरवासी पहुंचेंगे। मनोकामना पूर्ण दुर्गा माता मंदिर में पंचकुंडीय श्रीराम महायज्ञ की शुरुआत होगी। कला प्रेमियों के लिए कला प्रदर्शनी और नाट्य प्रेमियों के लिए नाटक का मंचन होगा। इसके साथ ही सिख समाज का कीर्तन समागम भी सुबह और शाम होगा। - अरणि मंथन से संगम नगर स्थित मनोकामना पूर्ण दुर्गा माता मंदिर में पंचकुंडीय श्रीराम महायज्ञ की शुरुआत होगी।*

विजयवर्गीय ने खेला गिल्ली डंडा

मकर संक्राति पर लड़े पंतगों के पेंच, हितानंद ने उड़ाई पतंग

सिटी चीफ...इंदौर। रविवार को इंदौर में मकर संक्राति का पर्व धूमधान से मना। सुबह से आसमान पतंगों से रंगीन हो चला था। मैदानों और बगीचों में भारतीय खेलों के आयोजन हो रहे थे। जनप्रतिनिधियों ने भी इस मौके पर अनेक आयोजन किए। मेयर पुष्य मित्र भार्गव ने दशहरा मैदान पर पतंगोत्सव का आयोजन रखा। जहां पतंगबाजी के अलावा अन्य देसी खेल जैसे गिल्ली डंडा, सितोलिया, रस्सा खींच, कबड्डी, निम्बू रेस, मटकी फोड़, रस्सी कूद, रुमाल झपट्टा और चेयर रेस आदि खेल खेले गए। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह दस बजे बटुकों के शंखनाद के साथ हुई। फिर भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने पतंग उड़ाई। उचका मेयर पुष्य मित्र भार्गव ने थाम रखा था। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और तुलसी सिलावट ने गिल्ली डंडे पर हाथ आजमाया। मेयर ने नीबू रेस और मटकी फोड़ में भी हाथ अज़माया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण राम लीला का मंचन था,जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे वही महिलाओं के द्वारा कुमकुम हल्दी का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम के अंत में महापौर पुष्यमित्र भार्गव के द्वारा महिलाओं के द्वारा आयोजित किए गये विभिन्न आयोजनों में जीतने वाले विजेताओं को पुरस्कृत भी किया। उधर मंत्री विजयवर्गीय ने एक नंबर विधानसभा क्षेत्र के खेल संकुल में मकर संक्राति पर आयोजन किए। यहां मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और आकाश के साथ क्षेत्र के पार्षदों ने पतंग उड़ाई। उससे पहले सुबह विजयवर्गीय ने श्रीश्री विद्याधाम पर झाड़ू लगाकर सफाई की। पितृपर्वत से रविवार को रामोत्सव यात्रा शुरू हुई। जिसमे सोशल मीडिया इन्फ्लुएसर्स शामिल हुए। यह यात्रा पांच राज्यों से होते हुए अयोध्या पहुंचेगी।

इंदौर सहित चार जिलों की बिजली आपूर्ति 1 करोड़ यूनिट के पार, मालवा-निमाड़ में इतनी हुई सप्लाई

सिटी चीफ...इंदौर। मालवा निमाड़ अंचल के चार जिलों की बिजली आपूर्ति प्रतिदिन 1 करोड़ यूनिट से ज्यादा दर्ज की गई है। वहीं पिछले 24 घंटों में मालवा और निमाड़ के सभी 15 जिलों में कुल सवा दस करोड़ बिजली यूनिट की आपूर्ति की गई है। इसी तरह जनवरी के दो सप्ताह में 137 करोड़ यूनिट बिजली की आपूर्ति की गई है।

पश्चिम विद्युत वितरण कम्पनी के प्रबंध निदेशक अमित तोमर ने बताया कि पिछले 24 घंटों में सबसे ज्यादा इंदौर जिले में 1 करोड़ 60 लाख यूनिट बिजली वितरित हुई। दूसरे नंबर पर धार जिला 1 करोड़ 48 लाख यूनिट तीसरे स्थान पर उज्जैन जिला 1 करोड़ 12 लाख यूनिट पर रहा। खरगोन जिला 1 करोड़ यूनिट, देवास व रतलाम जिला 88 लाख, 72 लाख यूनिट व अन्य जिले 40 से 60 लाख यूनिट बिजली वितरण वाले रहे।

पतंगें बिजली लाइनों से दूर उड़ाने की अपील- बिजली वितरण कंपनी ने मकर संक्रांति पर पतंगें बिजली की लाइनों, ट्रांसफार्मरों, पोल से दूर उड़ाने की अपील की है। इससे लाइनों एवं आमजन को नुकसान हो सकता है। कंपनी प्रबंधन ने बताया कि लाइनों पर पतंगें एवं धागों के कारण फाल्ट होने से न केवल विद्युत प्रवाह अवरुद्ध हो जाता है, बल्कि हादसा होने का भी अंदेशा होता है। कंपनी ने बिजली के पोल या तारों में उलझी पतंग/ डोर को नहीं निकालने का आह्वान किया है। बिजली कंपनी ने इसी तरह गिल्ली डंडे का खेल भी लाइनों, डीपी से दूर खेलने का अनुरोध किया है। इस बीच रविवार को बिजली कंपनी ने लाइनों और खंभों पर फंसी पतंग निकालने के लिए गैंग को सक्रिय किया। दिनभर में सैकड़ों पतंगें निकालकर लाइनें सुधार की गई। सोमवार को भी यह सिलसिला जारी रहेगा।

घर बैठे लगा सकेंगे श्रीराम मंदिर में दीपक, सजा सकेंगे मंदिर

सिटी चीफ...इंदौर। अयोध्या में श्रीराम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हर घर दीपक प्रज्वलित करने के आह्वान और महापौर पुष्यमित्र भार्गव के प्रमुख बाजारों, सार्वजनिक स्थानों पर राम मंदिर की प्रतिकृति लगाने, इमारतों को रोशन करने की अपील से प्रेरित होकर आइटी प्रोफेशन से जुड़े इंदौर के युवाओं ने श्री डी तकनीक से भगवान श्रीराम मंदिर का प्रतिरूप तैयार किया है। आमजन इस मंदिर में घर बैठे ही दीपक लगा सकेंगे। मंदिर को अपने हिसाब से फूलों से सजा सकेंगे और मंदिर में आतिशबाजी भी कर सकेंगे। युवाओं ने महापौर से मिलकर उन्हें इस संबध में जानकारी भी दी।

ऐसे लोगों को ध्यान में रखकर किया यह आइटी प्रोफेशनल अमित बोरकर, रितेश यादव और नितिनसिंह भाटी ने बताया कि 22 जनवरी को श्रीराम मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में बड़ी संख्या में लोग शामिल होंगे, लेकिन ऐसे लाखों लोग हैं जो चाहकर भी प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में शामिल नहीं हो सकेंगे। ऐसे लोगों को ध्यान में रखकर ही श्रीडी राम मंदिर बनाने का विचार आया। एक माह की मेहनत के बाद श्री डी तकनीक से श्रीराम मंदिर को बना सके।

विश्वभर में बसे भारतीयों को समर्पित प्रयास इन्होंने कहा कि हमारा यह प्रयास विश्वभर में बसे भारतीयों को समर्पित है। इसके जरिए दुनियाभर के भक्त मंदिर में लोग घर बैठे ही न केवल दीपक लगा सकेंगे बल्कि मंदिर को अपने हिसाब से फूलों से सजा भी सकेंगे और शुभ प्रसंग पर मंदिर में आतिशबाजी भी कर सकेंगे। इस अनोखे अनुभव से भक्त खुद को श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव से जुड़ा हुआ महसूस करेंगे। इस अनुभव के लिए उन्हें क्यूआर कोड स्कैन करना होगा।

दोस्तों के साथ घूमने गया स्कूली छात्र, डूबने लगा तो दोस्त छोड़ कर भाग गए अगले दिन मिला शव

सिटी चीफ...इंदौर। सिमरोल थाना क्षेत्र अंतर्गत तिंछा फाल में शनिवार को घूमने गए 5 स्कूली दोस्तों में एक डूब गया। इसके बाद बाकी दोस्त डर के कारण वहा से भाग गए। इसके बाद वहां पहुंचे माता-पिता ने किशोर की तलाश शुरू की तब तिंछा फाल में से छात्र का शव निकाला गया। किशोर की पानी में डूबने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार इंदौर के सेंटपाल स्कूल में 11वी में पढ़ने वाला छात्र इनोक पुत्र आनंद टोकनो शनिवार सुबह घर से स्कूल का बोल कर निकला था। बाहर उसे उसके स्कूल के दोस्त मोहम्मद बंदूकवाला, अरमान वर्मा, वर्धमान वर्मा और सलमान खान मिले। बताया जाता है कि सभी दो एक्टिवा से पहले तिंछा फाल गए। इसके बाद सभी लोग नहाने चले गए। तभी इनोक अचानक गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। यह देख कर बाकी दोस्त घबरा गए और बचने के लिए रालामंडल चले गए। शाम को इनोक के माता-पिता ने अरमान को फोन लगाया तो उसने रालामंडल में होने की बात कह दी। जब इनोक का पता नहीं चला तो पुलिस में सूचना दी गई।

पुलिस ने की दोस्तों से पूछताछ इसके बाद पुलिस ने इनोक के दोस्तों से पूछताछ की। बहुत देर तक किसी ने कुछ नहीं बोला। बाद में एक दोस्त ने पूरी कहानी बताई। रात 8 बजे पुलिस और स्वजन मौके पर पहुंचे तो वहां इनोक के कपड़े और जूते दिखाई दिए।

पानी में मिला शव इसके बाद सुबह पानी में इनोक की तलाश की गई तो उसका शव मिला। मामले में सिमरोल थाना प्रभारी निरीक्षक मंशाराम वागेन ने बताया कि पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। साथी दोस्तों को पूछताछ के बाद रात में ही घर भेज दिया गया था।

हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट लगाने का आज अंतिम दिन

सिटी चीफ...इंदौर। प्रदेश में 1 अप्रैल 2019 के पहले खरीदे गए वाहनों में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगाई जाना है। नंबर प्लेट लगाने के अभी तक पेंडेंसी लाखों में पहुंच चुकी है। इंदौर जिले में भी अब तक सिर्फ तीन लाख वाहनों में ही नंबर प्लेट लगी है, जबकि 6 लाख से अधिक वाहन में नंबर प्लेट लगाई जाना है। ऑनलाइन बुकिंग करने के बाद भी नंबर प्लेट 20 से 25 दिन में पहुंच रही है। ऐसे में 15 तारीख को खत्म हो रही अंतिम तारीख को आगे बढ़ाने के लिए परिवहन आयुक्त को बस एसोसिएशन ने पत्र लिखा है। प्राइम रूट बस ऑनर्स एसोसिएशन मध्य प्रदेश ने हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट्स की प्राप्ति कि समयावधी दो माह आगे बढ़ाने की मांग की हैं। मध्य प्रदेश में लाखों की संख्या में बस, ट्रक, कार एवं स्कूटर मोटरसाइकिल एवं अन्य वाहन हैं। इन सभी वाहनों पर मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के द्वारा दी गयी समय सीमा 15 जनवरी तक है, जिसमे सभी वाहनो पर नंबर प्लेट्स लगने का आदेश है। 15 जनवरी के बाद वाहनों की चेकिंग प्रारम्भ हो जाएगी और गरीब बस संचालकों को अत्यधिक परेशानी एवं आर्थिक दंड का सामना करना पड़ेगा। प्राइम रूट बस ऑनर्स एसोसिएशन मध्य प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष पंडित गोविंद शर्मा, प्रदेश महासचिव सुशील अरोरा, प्रदेश उपाध्यक्ष चरणजीत सिंह गुलाटी ने बताया कि परिवहन विभाग द्वारा कोई भी एजेंसी नियत नहीं की गयी हैं। जहाँ से सभी वाहन मालिक ये नंबर प्लेट्स सुविधा से उचित दामों पर प्राप्ति कर सके। अभी वाहन चालकों को यह भी ज्ञात नहीं है की नंबर प्लेट किस तरीके से प्राप्त की जाएं। बहुत सारे बस मालिक अनभिज्ञ हैं और कंप्यूटर का सामान्य ज्ञान भी उन्हें नहीं है। हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट्स प्रदाय करने वाली कंपनियों के पास इतने कम समय में सभी वाहन मालिकों को प्लेट्स मुहैया करना असंभव है। एसोसिएशन ने पत्र लिखकर (ज्ञापन) प्रमुख सचिव परिवहन भोपाल, परिवहन आयुक्त ग्वालियर से मांग कि है कि सभी वाहन मालिकों को इस विषम परिस्थिति से बचने के लिए कम से कम 2 से 3 माह का समय दिलाने की अनुकंपा करें।

देश की सुरक्षा के लिए चुनौती बन रही मिशनरियां, समाज सेवा की आड़ में चल रहा मतांतरण का खेल

सिटी चीफ...इंदौर। बाल संरक्षण गृह या आश्रम का अर्थ एक ऐसी जगह से है, जहां बच्चे सुरक्षित रह सकें। प्रदेश में अवैध रूप से चल रहे कई बाल गृहों का जो सच छापे और जांच के बाद सामने आ रहा है, वो कुछ अलग ही कहानी बयां कर रहा है। ऐसी कहानियां सामने आ रही हैं, जो कल्पना से भी परे हैं। इनका सबसे बुरा पहलू यह है कि यहां पर मतांतरण से लेकर बच्चों का यौन शोषण और मानव तस्करी जैसी गतिविधियां भी संचालित होने की बात सामने आई है। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल और इंदौर जैसे शहरों में हाल ही मे मिले अवैध बाल गृहों के मामले में ऐसा ही कुछ नजर आ रहा है। इन बाल गृहों को लेकर नित नए खुलासे हो रहे हैं। सेवा की आड़ में ऐसी अवैध गतिविधियां सामाजिक ताने-बाने और सुरक्षा के लिए बड़ा संकट बन चुकी हैं। विदेशी फंड का इस प्रकार की अवैध गतिविधियों में इस्तेमाल होना समाज और राष्ट्र के लिए नुकसानदेह तो है ही, यह गलत संदेश भी दे रहा है। भोपाल में अवैध रूप से संचालित आंचल बाल गृह के मामले में सामने आया कि यहां 68 बच्चियों का नामांकन हुआ था लेकिन उनमें से 26 बच्चियां गायब हैं। इस बालगृह को चलाने वाले संचालक अनिल मैथ्यू को इन लड़कियों के बारे में पता तक नहीं है कि वो आखिर गईं तो कहां? इस बालगृह में छह से 18 साल की बच्चियां और किशोरियां रहती हैं, जिसमें से अधिकांश हिंदू हैं। हां चल रही अनियमितताओं की सूचना जब राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो को मिलीं, तो उन्होंने चार जनवरी को यहां छापा मारा। उन्हें यहां तमाम तरह की अनियमितताएं मिलीं। उन्होंने खुद इसकी सूचना इंटरनेट मीडिया के माध्यम से सार्वजनिक की। यह मामला इतना बढ़ चुका है कि इसमें पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को भी हस्तक्षेप करना पड़ा। उन्होंने प्रशासन से तुरंत कठोर कदम उठाने का आग्रह किया है। भोपाल के इस बाल गृह को संजीवनी सर्विसेस सोसायटी द्वारा संचालित किया जाता है। यह बाल गृह विदेशी दानदाताओं की मदद से बना था। संजीवनी सर्विसेस सोसायटी को जर्मनी से लगातार करोड़ों रुपये की फंडिंग मिली है, जिसके साक्ष्य भी सामने आ गए हैं।

पहले भी सामने आ चुके हैं मामले

विदेशी फंडिंग के दुरुपयोग का कोई यह पहला मामला नहीं है। इस तरह के कई मामले पहले भी आ चुके हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय कई ईसाई मिशनरी संगठनों को विदेशी अनुदान विनियमन अधिनियम के तहत मिली चंदा लेने की अनुमति रद भी कर चुका है। इसके बाद भी ये अन्य तरीकों से विदेशी फडिंग प्राप्त करते हैं। जब भारत सरकार या राज्य सरकार विदेशी फंडिंग पर किसी तरह की रोक लगाते हैं तो मिशनरी से जुड़े संगठन खूब हाय-तौबा मचाते हैं।

यह सही है कि भारतीय संविधान धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार देता है, जिसमें अपने पंथ के प्रचार का भी अधिकार शामिल है। हर अधिकार की तरह इस अधिकार की भी कुछ सीमाएं हैं। यह जानना भी जरूरी है कि यह अधिकार किन परिस्थितियों में दिया गया था। दरअसल स्वतंत्रता के समय भारत आर्थिक रूप से संपन्न देश नहीं था और वित्तीय सहायता के लिए विदेशी फंडिंग और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों पर निर्भर था। भारत को मिशनरियों के आगे झुकना पड़ा और संविधान में अपने पंथ के प्रचार का अधिकार कुछ पाबंदियों के साथ दिया गया। मतांतरण के लिए पैसे का इस्तेमाल तो स्वतंत्रता से पहले से भी होता था, परंतु स्वतंत्रता के बाद और भी बहुत तरह के प्रयोग किए जाने लगे। मिशनरियों ने अपने अनुभवों से पाया कि भारतीय धर्मों के लोग अपनी सांस्कृतिक मान्यताओं से भावनात्मक तौर पर इतने गहरे जुड़े हैं कि समस्त प्रयासों के बावजूद बड़ी संख्या में मतांतरण संभव नहीं हो पा रहा है। ऐसे में उन्होंने सेवा के सहारे अपने मंसूबों को पूरा करने के प्रयास शुरू किए। हजारों शिक्षण संस्थानों, अस्पतालों, सामाजिक सेवा केंद्रों का विस्तार पूरे भारत में किया गया। उसी का नतीजा है कि आज देश की तीस प्रतिशत शिक्षा एवं 22 प्रतिशत स्वास्थ्य सेवाओं पर मिशनरियों का अधिकार है। चर्चों के पास पूरे देश में पाश इलाकों में कीमती जमीनें हैं।

देश की सुरक्षा के लिए बन रहे चुनौती ये मिशनरियां अपने संस्थानों के इस्तेमाल से गरीब और पिछड़े वर्ग के लोगों को विभिन्न प्रकार की सहायता देकर मतांतरण के लिए प्रेरित करते हैं। सेवा की आड़ में चल रही इस प्रकार की गतिविधियों पर पूरी तरह से नियंत्रण आवश्यक है। यह तभी संभव है जब विदेशी चंदे पर सख्ती से रोक लगाई जाए। अवैध गतिविधि में लिप्त मिशनरी या अन्य संगठनों पर सख्त पाबंदी की आवश्यकता है। बाल गृहों में बच्चों का शोषण और मतांतरण सामाजिक ताने-बाने को कमजोर करने के साथ देश की सुरक्षा के लिए चुनौती बन रहा है।

गांधीजी ने जताई थी नाराजगी भारत में ईसाई मिशनरियों ने अपनी गतिविधियां ब्रिटिश शासनकाल के दौरान ही बढ़ाना शुरू कर दी थीं। उस दौर में भी हिंदू देवी-देवताओं के लिए बेहद अपमानजनक शब्दों का उपयोग किया जाता था। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने भी अपने संस्मरणों में राजकोट में उनके स्कूल के बाहर हिंदू देवी-देवताओं के बारे में लिखे गए अपमानजनक शब्दों का उल्लेख किया है। गांधीजी जीवन भर ईसाई मिशनरियों द्वारा सेवा कार्यों के नाम पर किए जाने वाले मतांतरण के विरुद्ध रहे। जब अंग्रेज भारत से जाने लगे तो ईसाई मिशनरी के संगठनों ने प्रश्न उठाया कि स्वतंत्र भारत में क्या उन्हें मतांतरण की अनुमति दी जाएगी, तो गांधीजी ने इसका जवाब न में दिया था। गांधीजी के अनुसार लोभ-लालच के बल पर मतांतरण करना घोर अनैतिक है।

श्वानों को लेकर सजग नहीं सरकार
जनता हो रही हमले का शिकार

सिटी चीफ भोपाल।

मप्र में बीते तीन वर्षों से अवारा पशुओं को लेकर बिल मंत्रिपरिषद की मुहर लगने के लिए अटका हुआ है। पशुओं को लेकर ठोस कानून नहीं होने से नगरीय निकाय भी इनके खिलाफ कार्रवाई में लापरवाही बरत रहे हैं। यही कारण है कि सड़कों में अवारा श्वानों की संख्या बढ़ती जा रही है। अब ये श्वान जनता के लिए खतरनाक होते जा रहे हैं। जिससे शहर में श्वानों की घटनाएं भी बढ़ती जा रही है। बीते एक वर्ष के अंदर भोपाल में ऐसी दो हजार से अधिक घटनाएं हो चुकी हैं, इस दौरान दो मासूमों को जान भी गंवाना पड़ गया। इसके बावजूद सरकार इस कानून को लेकर असंवेदनशील है। प्रस्तावित विधेयक में ये प्रविधान बता दें कि नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय द्वारा पालतू पशुओं के संबंध में पालिसी बनाकर अनुमोदन के लिए राज्य सरकार के पास भेजी गई है। इसके तहत अब मप्र में सभी पालतू पशुओं का पंजीयन कराना अनिवार्य होगा। हर वर्ष इनका नवीनीकरण कराना होगा। तीन बार से अधिक पालतू पशुओं की शिकायत मिलने पर मालिक से नगरीय निकाय बांड भरवाएंगे। यदि इसके बाद भी कुत्ता-बिल्ली या अन्य जानवर किसी

को काटते हैं, या नुकसान पहुचाते हैं। तो इन्हें पशु मालिक से छुड़ाकर डाग शेल्टर होम या गौ अभयारण्य भेजा जाएगा। साथ ही इनका पंजीयन भी निरस्त कर दिया जाएगा। यदि ये बिल पास हो जाता है, तो नगरीय निकायों के पास भी अवारा पशुओं के खिलाफ कार्रवाई का अधिकार होगा। अभी पशु प्रेमी कार्रवाई में रुकावट बनते हैं। जिससे गली और मोहल्लों में श्वानों की संख्या बढ़ रही है और ये रहवासियों को अपना शिकार बना रहे हैं। पालतू पशुओं का पंजीकरण होगा अनिवार्य नगरीय निकायों में पालतू श्वानों की पहचान के लिए आवश्यक दस्तावेज़ जमा करना होगा। इसमें उनकी फोटो, जाति, उम्र और अन्य विवरण शामिल होंगे। इसके बाद स्थानीय नगर पालिका कार्यालय या नगर निगम में जाकर पंजीकरण फार्म भरना होगा। इसमें जानवरों की जानकारी जैसे उम्र, रंग, जाति और स्वास्थ्य से संबंधित विवरण भरने होंगे। जानवरों की पहचान के लिए टैग लगाने की योजना भी है। बिल लागू हो, तो श्वानों का बनेगा स्वास्थ्य रिकार्ड नए नियम के अनुसार जो भी व्यक्ति शहरी क्षेत्रों में श्वान पालते हैं, उन्हें अपने और उनके पिता का नाम, पता, पशुओं की संख्या, प्रकार, उनके पानी, प्रकाश और मल निष्कासन की व्यवस्था जानकारी प्रदान करनी होगी। इस नियम का मुख्य उद्देश्य यह है कि प्रत्येक पालतू जानवर का स्वास्थ्य रिकार्ड उपलब्ध हो, जिससे उनका स्वास्थ्य और व्यवहार अच्छी तरह से निगरानी किया जा सके। वहीं अवारा श्वानों को शेल्टर होम भेजा जा सके। पंजीकरण के 150, तो नवीनीकरण का 50 रुपये शुल्क यदि पंजीकरण तथा आवारा पशुओं का नियंत्रण नियम 2023 लागू होता है, तो श्वान पालकों को 150 रुपये पंजीकरण शुल्क चुकाना होगा। वहीं नवीनीकरण के लिए 50 रुपये हर वर्ष शुल्क देना होगा। इस राशि को उन श्वानों पर खर्च किया जाएगा, जो सड़कों पर अवारा हैं। इनके लिए शेल्टर होम बनाने और आवश्यक सुविधाएं जुटाने में होगा। नए नियम के तहत अगर आपका पालतू श्वान बाहर घूमता पाया गया या किसी को काट लिया तो इसको भी अपराध के रूप में अंकित किया गया है। जिसके लिए भी दंड की राशि देने के साथ ही उस जानवर का पंजीयन निरस्त करने और मालिक से बांड भराने का प्रविधान है। नगर निगम की टीम ने आठ श्वानों का पकड़ा बीते 10 जनवरी को मिनाल रेसीडेंसी के पास अवारा श्वानों द्वारा छह माह के मासूम को काटने से मृत्यु हो गई है। इसके बाद नगर निगम द्वारा शहर में अवारा श्वानों को पकड़ने की कार्रवाई तेज कर दी गई है। शनिवार को नगर निगम की टीम ने जहां 52 श्वानों को पकड़ा था, वहीं रविवार को आठ श्वान पकड़े गए हैं।

ठिठुरन से फिलहाल राहत, धूप में बढ़ी तल्खी, रात में ठंड बरकरार

सिटी चीफ भोपाल।

हवाओं का रुख बदलने के साथ प्रदेश में मौसम एक बार फिर से बदलता जा रहा है। कुछ जिलों में तापमान सामान्य से अधिक चल रहा है तो कुछ जिलों में ठंडी हवाएं चल रही हैं। रविवार को खंडवा और खरगोन में तापमान 30 डिग्री के पार चला गया है तो रीवा और दतिया में न्यूनतम तपामान छह डिग्री के आसपास हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार 16 जनवरी के बाद मौसम में बदलाव आ सकता है। अभी दो दिनों तक मौसम साफ और शुष्क रहेगा, लेकिन इसके बाद तापमान में गिरावट की संभावना है। इन जिलों में छाया कोहरा 16 जनवरी से नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा जिससे अगले कुछ दिनों में बादल छाएंगे और हल्की बूंदाबांदी होगी। मौसम विभाग के मुताबिक सोमवार को ग्वालियर, दतिया, भिंड, रीवा, मऊगंज, सतना, मुरैना, शिवपुरी, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी जिलों में घने से हल्का कोहरा छाया रहा। फिलहाल एक दो दिन तक प्रदेश

का मौसम ऐसे ही बना रहेगा। दो से तीन डिग्री तक गिरेगा तापमान 16 जनवरी को एक पश्चिमी विक्षोभ के उत्तर भारत में पहुंचने की संभावना है। उसके असर से प्रदेश के कुछ इलाकों में आसमान में बादल छाएंगे और हल्की बूंदाबांदी भी हो सकती है। इस दौरान दिन व रात के तापमान में कमी आएगी और कोल्ड डे की भी स्थिति निर्मित हो सकती है। 17 जनवरी को आसमान में बादल रहने से बूंदाबांदी हो सकती है और 18 जनवरी को सुबह के समय घना कोहरा रहेगा, जिससे कुछ जगहों पर कोल्ड डे भी हो सकता है। वहीं 19 जनवरी को सुबह के समय हल्का कोहरा रहेगा जिससे रात का तापमान लुढ़क सकता है। यदि उत्तरी हवाओं की रफ्तार बढ़ी तो 20 जनवरी के बाद शीत लहर भी चल सकती है। अधिकांश जिलों के न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट हो सकती है।

श्रीराम वन गमन पथ के विकास की कार्ययोजना को लेकर चित्रकूट में मंगलवार को बैठक

सिटी चीफ भोपाल।

मध्य प्रदेश में श्रीराम वनवास के समय जिन मार्गों से गुजरे थे, वहां का विकास सरकार कराएगी। इसकी कार्य योजना से जुड़े सभी विषयों पर विचार कर उसे गति देने के लिए गठित श्रीरामचंद्र पथगमन न्यास की पहली बैठक चित्रकूट में मंगलवार को मुख्यमंत्री डा.मोहन यादव की अध्यक्षता में होगी। इसमें संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास और धर्मस्व राज्यमंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी, मुख्य सचिव वीरा राणा सहित संबंधित विभाग और जिलों के अधिकारी उपस्थित रहेंगे।श्रीरामचंद्र पथगमन न्यास का गठन शिवराज सरकार ने किया था लेकिन इसकी बैठक नहीं हो पाई थी। न्यास का काम केंद्र सरकार की तरफ से प्रदेश में चिह्नित श्रीराम वन गमन पथ के 23 स्थलों का विकास करना है। इन स्थानों को जोड़ने

वाले मार्ग को सुगम और सुविधाजनक बनाने के साथ पर्यटन की गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए यात्री सुविधाओं का विकास और उनका संचालन किया जाएगा। यह स्थल किए गए हैं चिह्नित सतना, पन्ना, कटनी, जबलपुर, नर्मदापुरम, उमरिया, शहडोल और अनूपपुर जिले के स्फटिक शिला, गुप्त गोदावरी, अत्रि आश्रम, शरभंग आश्रम, अश्वमुनि आश्रम, सुतीक्ष्ण आश्रम, सिद्धा पहाड़, सीता रसोई, रामसेल, राम जानकी मंदिर, बृहस्पति कुंड, अग्निजिह्वा आश्रम, अगस्त्य आश्रम, शिव मंदिर, रामघाट, श्रीराम मंदिर, मार्कंडेय आश्रम, दशरथ घाट, सीता मढ़ी को चिन्हित किया गया है। कमल नाथ सरकार में बनी थी कार्य योजना पर नहीं हुआ काम राम वनगमन पथ के विकास के लिए कमल नाथ सरकारने वर्ष 2019 में कार्ययोजना तैयार कर 22 करोड़ रुपये का बजट प्रविधान किया था पर कोई काम नहीं हुआ। शिवराज सरकार ने 2022 में मध्य प्रदेश में राम वन गमन पथ (कारिडोर) का काम शुरू करने के लिए पहले चरण में मूलभूत सुविधाएं विकसित करने पर जोर देते हुए 300 करोड़ रुपये के प्रस्ताव को अनुमति दी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज मप्र के शिवपुरी जिले के आदिवासी बहुल गांवों को करेंगे बिजली से रोशन, ग्रामीणों से करेंगे वर्चुअली संवाद

सिटी चीफ भोपाल।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शिवपुरी जिले के आदिवासी बहुल ग्राम पडोरा, डेहरवारा एवं गढ़ीबरोद के 57 आदिवासी परिवारों के घरों को बिजली से रोशन करने का उपहार देंगे। इस दौरान वह ग्रामीणों को वर्चुअली संबोधित भी करेंगे। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री जनमन योजना में मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के ग्वालियर, विदिशा, अशोकनगर, श्योपुर, दतिया, गुना, शिवपुरी, रायसेन एवं भिंड जिलों के 306 गांवों एवं मजराटोलों को ऊर्जीकृत किया जा रहा है।इस प्रोजेक्ट के प्रथम चरण में कुल चार हजार सात आदिवासी परिवारों के घर रोशन होंगे। विदिशा और ग्वालियर जिले के 36 जनजातीय परिवारों के घरों को रोशन कर दिया गया है। पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अनूपपुर, बालाघाट, छिंदवाड़ा डिंडौरी, मंडला, नरसिंहपुर, शहडोल एवं सीधी जिले में कुल 946 गांवों एवं

मजराटोलों को ऊर्जीकृत किया जा रहा है। इस प्रोजेक्ट के प्रथम चरण में कुल छह हजार 995 आदिवासी परिवारों के घर रोशन होंगे। इससे एक ओर जहां आदिवासी परिवारों के बच्चों को पढ़ने-लिखने के साथ ही घरेलू कामकाज और रोजगार के अवसर मिल सकेंगे वहीं दूसरी ओर पीने के पानी, सड़क, बिजली और मूलभूत सुविधाएं मिलने से उनके रहन-सहन के स्तर में सुधार आएगा। इसके लिए भारत सरकार ने 80 करोड़ 82 लाख रुपये स्वीकृत किए हैं। प्रधानमंत्री जनमन योजना के दूसरे चरण के सर्वे का कार्य चल रहा है।

एयर टर्मिनल को मिल रही तारीख पर तारीख

ग्वालियर- ग्वालियर का नया एयर टर्मिनल भले ही शुभारंभ के इंतजार में हो, लेकिन फिलहाल यह एयरपोर्ट अथारिटी आफ इंडिया के अधिकारियों से लेकर काम कर रही केपीसी कंपनी के लिए मुसीबत से कम नहीं है। नए टर्मिनल को पूरा करने के समय में बार-बार विस्तार होने से अब संदेह भी है कि यह आखिर कंपनी पूरा क्यों नहीं कर पा रही है। उधर इसी नागरिक उड्डयन मंत्रालय के केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के गृहजिले का एयरपोर्ट लेट हो गया है, इसकी चिंता में अफसर हैं। अब एयरपोर्ट अथारिटी आफ इंडिया के चेयरमैन संजीव कुमार और मेंबर आपरेशन शरद कुमार ने एयर टर्मिनल का निरीक्षण किया, जिसमें एक-एक चीज बारीकी से देखी और जमकर नाराजगी व्यक्त की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि जहां काम पूरा नहीं है और ताले डाले हुए हैं वहां सबसे पहले देखा जाएगा। इसे जल्द पूरा करो। कई तकनीकी चीजें भी देखीं और केपीसी से लेकर अधिकारियों पर नाराज हुए। वहीं चर्चा है कि एयरपोर्ट के निर्माण के दौरान बजट को लेकर कंपनी और अधिकारियों में झंझट भी चल रहा है। केपीसी को अपना पैसा अटकता दिख रहा है तो अधिकारी भी विवाद में पड़े हैं। यहां बता दें कि ग्वालियर के नए टर्मिनल का काम चल रहा है और यह केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का ड्रीम प्रोजेक्ट है। इसके निर्माण में पांच सौ करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं और अधिकारियों का दावा है कि 95 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है व फिनिंशिंग चल रही है। केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने दो दिसंबर को इस प्रोजेक्ट का निरीक्षण किया था और जमकर नाराजगी जाहिर की थी। इसके बाद से ही साफ हो गया था कि एयर टर्मिनल को लेकर अंदरूनी तौर पर गड़बड़ चल रही है। पहले 15 सितंबर, फिर 15 दिसंबर की डेडलाइन दी गई थी। इसके बाद 30 दिसंबर की और अब 15 जनवरी का दावा किया जा रहा है। अब एक दिन में एयर टर्मिनल का काम पूरा नहीं हो सकता है। बजट को लेकर तनातनी, तालमेल का अभाव एयर टर्मिनल पर सबसे ज्यादा यही चर्चा है कि बजट को लेकर अधिकारियों में विवाद की स्थिति भी बन रही है। आपस में तनातनी है। केपीसी कंपनी के अधिकारियों और एयरपोर्ट प्रोजेक्ट के अथारिटी से जुड़े अधिकारियों में तालमेल न होने के कारण ही यह पूरा काम अटक रहा है। अधिकारिक तौर पर इसे भले ही एयरपोर्ट अथारिटी के अधिकारी न स्वीकारें, लेकिन यह चर्चा सबसे ज्यादा हो रही है।

24 को सिंधिया का निरीक्षण,

शहर का दम घोंट रहा प्रदूषण और अफसर दफ्तरों से बाहर ही नहीं निकल रहे

ग्वालियर- शहर में प्रदूषण का स्तर कम होने का नाम नहीं ले रहा है। हालात यह है कि एयर क्वालिटी इंडेक्स 270 पार बना हुआ है। प्रदूषण की रोकथाम को लेकर संभागायुक्त दो बार अफसरों की बैठक भी ले चुके हैं। इसके बावजूद अफसर अपने दफ्तरों से बाहर नहीं निकले। प्रदूषण की रोकथाम के लिए जमीनी स्तर पर कोई काम शुरू नहीं हो सका, केवल कागजों में प्रदूषण की रोकथाम के उपाय चल रहे हैं। ऐसे में भला प्रदूषण कम कैसे होगा। इससे अफसरों को कोई मतलब नहीं, क्योंकि उन्हें आमजन की फिक्र नहीं है। यही कारण है कि शहर में वायु प्रदूषण बढ़ा हुआ है, जिसमें सांस लेना मुश्किल हो रहा है। शहर में वायु प्रदूषण का स्तर घातक है = जबकि 101 से लेकर 200 के बीच का एक्यूआइ मध्यम माना जाता है। उधर, 201 से 300 के बीच का एक्यूआइ खराब माना जाता है। ऐसे ही 301 से लेकर 400 के बीच का एक्यूआइ बहुत ही ज्यादा खराब होता है। 401 से लेकर 500 के बीच का एक्यूआइ लेवल गंभीर माना जाता है। शहर में प्रदूषण का स्तर 400 के आसपास पहुंच रहा है जो अति गंभीर श्रेणी में आता है। टीबी एंड चेस्ट रोग विशेषज्ञ डा. उज्ज्वल शर्मा का कहना है कि ऐसे मौसम में मास्क लगाकर निकलें, क्योंकि अस्थमा रोगियों को सांस संबंधी बीमारी और भी अधिक बढ़ जाती है। जिन रोगियों में यह बीमारी दबी हुई होती है वह उखड़ जाती है, इसलिए सावधानी रखें। शहर में खोदी गई सड़कों से और खराब हुए हालात शहर में धूल का कारण भी लगभग वही है जो धुआं के हैं। शहर में खुदी पड़ी सड़कों से गुजरने वाले वाहन धूल का गुबार पैदा करते हैं। इसी तरह से खुले में चल रहा निर्माण कार्य, जगह जगह चल रही खुदाई से हवा में धूल के कण शामिल हो रहे हैं। शहर के आसपास चलने वाले ईंट भट्टे, खदानें और क्रेसर आदि से उठती धूल हवा को दूषित कर रही है। जिसमें सांस लेकर लोगों की सांसें फूल रही हैं, लेकिन इस पर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और शहरी सीमा में नगर निगम आंख पर पट्टी बांधकर बैठा हुआ है। शहर में धुआं से आसमान काला होने लगा है, लेकिन इस पर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड नजर तक नहीं डाल रहा। हालात यह हैं कि शहर के हजीरा क्षेत्र में चल रहे ईंट-भट्टे धुआं उगल रहे हैं। इसी तरह से बिलौआ में चल रहे क्रेसर से निकलने वाला धूल और धुआं आसमान को काला बना रहा है, लेकिन इस पर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का ध्यान तक नहीं है, क्योंकि अफसरों को शहरवासियों की फिक्र नहीं है। शहर के भीतर वाहन और कचरा जलने से होने वाले धुआं पर निगम के अफसर आंख बंद किए हैं। एनजीटी के निर्देश फाइलों तक सीमित एनजीटी के निर्देश फाइलों तक सीमित एनजीटी के निर्देश के बाद

संक्रांति महोत्सव के अंतिम दिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों और एयरो माडलिंग शो का उठाएं आनंद, शहीद भवन में नाटक मंचन

सिटी चीफ भोपाल।

शहर में कलात्मक, सांस्कृतिक, सामाजिक, खेल, धार्मिक आदि गतिविधियों का सिलसिला निरंतर चलता रहता है। सोमवार 15 जनवरी को भी शहर में ऐसी अनेक गतिविधियों का आयोजन होने जा रहा है, जिनका आप आनंद उठा सकते हैं। यहां हम कुछ ऐसे ही चुनींदा कार्यक्रमों की जानकारी पेश कर रहे हैं, जिसे पढ़कर आपको अपनी दिन की कार्ययोजना बनाने में आसानी होगी। संक्रांति महोत्सव - मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में दो दिवसीय %संक्रांति महोत्सव% का आयोजन किया जा रहा है। आज इस महोत्सव के अंतिम दिन दोपहर 12 बजे से मलखम्ब का प्रदर्शन, गिद्दा, भांगड़ा और लोक-नृत्य समागम के साथ-साथ एयरो माडलिंग शो भी होगा। दस्तकारी हाट - काफिला-ए-मोहब्बत इंडिया के

सहयोग से दस्तकारी हाट और कश्मीर एक्सपो का आयोजन महाराणा प्रताप भवन, चार इमली में किया जा रहा है। प्रदर्शनी में कश्मीरी और हैंडलूम वस्त्र खास हैं। समय सुबह 11 बजे से है। माह का प्रादर्श - इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मावन संग्रहालय के वीथि संकुल में माह का प्रादर्श के रूप में टेराकोटा पात्र पर चित्रित मनसा घट को प्रदर्शित किया गया है। बंगाली लोक कला के इस शानदार नमूने का अवलोकन सुबह 11 बजे से शाम छह बजे तक किया जा सकता है। बाग उत्सव - मप्र हस्तशिल्प एवं हाथकरघा विकास निगम की ओर से जवाहर चौक में स्थित मृगनयनी एंपोरियम में बाग उत्सव के तहत बाग प्रिंट के वस्त्रों की प्रदर्शनी लगाई गई है। सोमवार को बाग उत्सव का अंतिम दिन है। समय सुबह 11 बजे से रात आठ बजे तक है। चित्र प्रदर्शनी -

मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय की लिखंदरा दीर्घा में भील चित्रकार मुकेश बारिया के चित्रों की प्रदर्शनी सह-विक्रय किया जा रहा है। प्रदर्शनी को दोपहर 12 बजे से शाम सात बजे तक देखा जा सकता है। नाटक मंचन - लोक गुंजन नाट्य संस्था की ओर से नाटक %अनदेखा सा सबकुछ% का मंचन शहीद भवन में किया जा रहा है। शाम साढ़े छह बजे से आरंभ होने वाली इस प्रस्तुति का लेखन-निर्देशन हर्षित शर्मा ने किया है। दर्शकों के लिए प्रवेश निश्शुल्क है।

सीआइडी ने रेलवे को जारी किए नोटिस मांगी घटना की जानकारी और फुटेज

ग्वालियर- पीके यूनिवर्सिटी के कुलपति रणजीत सिंह यादव को बचाने के लिए हाइकोर्ट जज की कार छीनने के मामले की जांच अब सीआइडी कर रही है। सीआइडी ने रेलवे को नोटिस जारी किए हैं। नोटिस जारी कर घटना की सिलसिलेवार जानकारी और सीसीटीवी कैमरे के फुटेज मांगे हैं। पहले सीआइडी ने स्टेशन अधीक्षक को रेलवे ने नोटिस जारी किए थे। स्टेशन अधीक्षक की ओर से सीआइडी को जवाब दिया गया- वह इस मामले की जानकारी नहीं दे सके। जानकारी के लिए झांसी रेल मंडल से संपर्क करना होगा।10 दिसंबर को पीके यूनिवर्सिटी के कुलपति रणजीत सिंह यादव दक्षिण एक्सप्रेस में दिल्ली से सवार हुए थे। वह दिल्ली से झांसी जा रहे थे। वह ट्रेन के एस-9 कोच में सवार थे। रास्ते में उन्हें दिल का दौरा पड़ा। ग्वालियर के रहने वाले छात्र हिमांशु श्रोत्रिय, सुकृत शर्मा व इनके अन्य साथियों ने मदद की। रास्ते से एंबुलेंस को काल लगाया। ट्रेन ग्वालियर रेलवे स्टेशन पहुंची तब कुलपति को उतारा गया। एंबुलेंस न पहुंचने पर छात्रों ने प्लेटफार्म-1 के बाहर खड़ी हाइकोर्ट जज की कार छीन ली। हाइकोर्ट जज की कार से अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां कुलपति को डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इस मामले में पड़ाव थाना पुलिस ने छात्रों पर डकैती की एफआइआर दर्ज की थी। हिमांशु और सुकृत शर्मा को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। अभी यह छात्र जमानत पर बाहर हैं। छात्रों ने मदद के लिए कार छीनी थी, इसके चलते मुख्यमंत्री डा.मोहन यादव, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और तमाम संगठन छात्रों के समर्थन में आए। इसके बाद छात्रों को हाइकोर्ट से जमानत भी मिल गई। मुख्यमंत्री ने इस मामले को सीआइडी के हैंडओवर करने के निर्देश दिए थे। इसके चलते जांच सीआइडी को हैंडओवर हो गई। सीआइडी ने जांच शुरू कर दी है, लेकिन अभी तक रेलवे की ओर से कोई जवाब नहीं दिया गया है। सीआइडी ने पहले स्टेशन अधीक्षक को नोटिस जारी किया।

संपादकीय

अंतर के उजास सरीखा गायन, शुद्धता और सहजता की पक्षधर थीं प्रभा अत्रे

प्रभा अत्रे का निधन भारतीय संगीत में उस युग का अवसान है, जिसमें गायन के साथ उससे जुड़ी संवेदना, अध्ययन और चिंतन-मनन समाया था। वह गायन में शुद्धता की पक्षधर थीं, परंतु लोक की उस सहजता के प्रति भी उनका आग्रह था, जिसमें गान प्रकृति में घुलकर श्रोताओं को सहज माधुर्य प्रदान करता है। उन्हें सुनते हुए यह अनुभूति होती है कि संगीत ध्यान का गान है। उम्र के आखिरी दिनों तक उनके गान में अनूठा ओज समाया था। भैरवी में उनके गाए बोल जगत जननी, भव तारिणी, तू नव दुर्गा, तू भवानी, महाकाली, तू शिवानी, मंगला... में शब्द-शब्द उजास है। एक दफा राग मांज खमाज में जमुना किनारे मोरा गांव, सांवरे... में उनके स्वरों पर औचक ध्यान गया था। जिस सहजता से बोल निभाव करते उन्होंने भावों की व्यंजना यहां की है, वह लोक के माधुर्य में समाया उनका अनूठा शास्त्रीय ज्ञान है। सुनेंगे तो पाएंगे कि यहां सांवरे आ जइयो में उनकी शब्द-पुकार विरल है। लगता है, जैसे राग को बहुत जतन से उन्होंने अपने स्वरों का अनमोल गहना पहनाया है। यह सच में, आत्म की पुकार है। स्वरों में शब्द-शब्द यहां जैसे माधुर्य छलक पड़ रहा है। ऐसे ही उनकी एक ठुमरी है, कौन गली गयो श्याम... । इसमें श्याम को ढूंढने की जो स्वर-लगन है, वह चमत्कृत करती है। प्रभा अत्रे के गायन की यही विशेषता है कि वह भावों को सदा जीवंत करती रही हैं। वह सुनने वालों को सदा अपने स्वरों संग बहा ले जाती हैं। उनका समग्र गायन अंतर का उजास सरीखा है। प्रभा अत्रे अमीर खां साहब की गायकी से आरंभ से ही प्रभावित रहीं। उन्होंने आकाशवाणी में काम करते हुए अमीर खां साहब और बड़े गुलाम अली खां साहब के रिकॉर्ड ढूंढ-ढूंढकर सुने। मुझे लगता है कि किराना घराना में अब्दुल करीम खां साहब के बाद सरगम को गान में जीवंत करने का किसी ने प्रयास किया है, और उसे अपने तईं निखारते हुए अपना नया गान-मुहावरा किसी ने बनाया है, तो वह प्रभा अत्रे ही रही हैं। प्रभा अत्रे इस मायने में भी अद्वितीय थीं कि शास्त्रीय में लोक और लोक में शास्त्रीय सुगंध घोलते हुए उन्होंने संगीत की अपने स्तर पर नई भाषा रची। उनके शास्त्रीय गायन में लोक का सहज कंठ माधुर्य घुला हुआ है, तो ठुमरी, खयाल, दादरा, गजल, गीत, नाट्यसंगीत और भजनों में शास्त्रीय संगीत के शुद्ध सौंदर्य से भी सहज साक्षात होता है। हर राग में आलाप की उनकी बारीकियां और स्वर-खनक भिन्नता लिए हुए है। किराना घराने की शास्त्रीय संगीत परंपरा में उन्होंने गान में स्वर-संधान से अपनी अलग पहचान बनाई। वह जब आठ वर्ष की थीं, तभी संयोगवश संगीत की शिक्षा से जुड़ गईं। दरअसल चिकित्सक की सलाह पर उनकी बीमार मां का ध्यान बीमारी से हटाने के लिए घर में एक संगीत शिक्षक रखा गया। लेकिन उनकी मां ने तीन दिन में ही संगीत सीखने से मना कर दिया। तब उसी शिक्षक से प्रभा अत्रे को संगीत सीखने की सलाह दी गई और इस तरह से बचपन में ही संगीत से उनका नाता जुड़ गया। बाद में उन्होंने सुरेश बाबू मानेकर और हीराबाई बड़ोदकर से बाकायदा संगीत की बारीकियां सीखीं। वह बताती रही हैं, संगीत जब सीखना प्रारंभ किया, तो एक साल तक केवल राग यमन ही मुझे सिखाया गया। पर यह जो सीखने की नींव पड़ी, उससे यह बात भी समझ में आई कि कैसे सुर लगाया जाता है। कैसे राग में बढ़त की जाती है और कैसे गायन में भाव लाया जाता है। गायन के साथ-साथ वह नृत्य में भी पारंगत थी। स्वरमयी, स्वरली, स्वरांगिनी और स्वरांजलि जैसे संगीत-शोध में उन्होंने भारतीय संगीत से जुड़ी परंपरा को भी अपने तईं संजोया है। उनके आलाप, तान और शब्दों की जोड़बंदी में परंपरागत सौंदर्य की मिठास है, तो परंपरा की वह बढ़त भी है, जिसमें कोई कलाकार अपनी निजी शैली विकसित करते हुए राग को अलंकृत करता है। पुणे में 13 सितंबर, 1932 को जन्मी प्रभा अत्रे को संगीत नाटक अकादमी, गानप्रभा आदि कई पुरस्कारों के साथ पद्म श्री, पद्म भूषण और पद्म विभूषण सम्मान भी प्रदान किया गया। आज वह नहीं हैं, पर उनकी आवाज की खनक, उनमें समाई स्वर-शुद्धता और चमत्कृत करती सरगम हमें उनकी याद दिलाती रहेगी।

आत्मनिर्भर महिलाओं की दुनिया और पुरुषवादी समाज में आधी आबादी की सफलता पर कुछ सवाल

हिंदी सिनेमा की अभिनेत्री नीतू सिंह की सोशल मीडिया पर बेहद मजबूत उपस्थिति गौर करने लायक है। हालांकि यह प्रतिभा संपन्न अभिनेत्री अब भी फिल्मों में कभी-कभार दिख जाती हैं, लेकिन ऋषि कपूर के जीवित रहते हुए शायद ही अखबार, टेलीविजन, फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम और पार्टियों में उनकी ऐसी उपस्थिति दिखती थी। बीते दिनों की इस सदाबहार अभिनेत्री को जनता जैसे भूल ही गई थी। पर हाल के वर्षों में उन्होंने फिर से खुद को प्रासंगिक बनाया है। कहा जाता है कि हर पुरुष की सफलता के पीछे किसी नारी का योगदान होता है। वैसे ही नारी की सफलता के लिए आत्मनिर्भरता जरूरी है। मैंने तो पति के गुजर जाने या उसका साथ छोड़ देने पर कई महिलाओं को सफलता की सीढ़ियां चढ़ते देखा है।

यह मानना भ्रामक है कि निचले तबके की स्त्रियों को ही पुरुष वर्चस्ववादी समाज का दबाव या अत्याचार सहना पड़ता है। उच्च वर्ग की महिलाओं को भी उतने ही समझौते करने पड़ते हैं। बांग्लादेश की चर्चित अभिनेत्री परीमणि ने कुछ दिन पहले घोषणा की थी कि चूंकि उनके पति ने निरंतर उनका शारीरिक-मानसिक शोषण किया, इसलिए वह पति से सारे रिश्ते खत्म कर रही हैं। मानने का कारण है कि उनकी उस घोषणा के बाद उनके परिचितों-परिजनों का उन पर अपना फैसला वापस लेने का दबाव बना। कुछ लोग तो सोशल मीडिया पर उन पर उलजुलूल आरोप लगाने तक से बाज नहीं आए। नतीजा वही हुआ, जिसकी आशंका थी। आखिरकार परीमणि को समझौता करना पड़ा, और फेसबुक पर पति से तलाक लेने की जो सूचना उन्होंने पोस्ट की थी, वह उन्होंने डिलीट की। परिवार और समाज के दबाव पर परीमणि को उसी पुरुष के साथ रहने के लिए विवश होना पड़ा, जिससे वह अलग होना चाहती थीं। जाहिरहै, उन्हें फिर से वही शारीरिक-मानसिक शोषण का सामना करना पड़ेगा। फिर वह अंदर-बाहर से टूटती-घुटती रहेंगी। फिर भी चुप रहना पड़ेगा। बांग्लादेश में असंख्य महिलाओं की चहेती परीमणि को असंख्य शोषित महिलाओं की तरह गूंगी और सहनशील बनकर जीवन बिताना पड़ेगा। पति की सफलता के पीछे उनके योगदान को स्वीकारा जाएगा। लेकिन उन्हें अपनी सफलता के लिए इंतजार करना पड़ेगा। और क्या पता, पारिवारिक-सामाजिक दबावों के आगे समर्पण कर देने वाली परीमणि को वह सफलता कभी मिले ही न, जो वह चाहती हैं। वह सफलता शायद उन्हें अकेले रहने पर मिल सकती है। जिस तरह हमारे समाज में महिलाओं के लिए पति की उपस्थिति जरूरी है, उसके बिना विवाहित स्त्री के जीवन का कोई मूल्य नहीं है, वैसे ही संतान का होना भी जरूरी है। ये समाज के कुछ पैमाने हैं, जिन्हें आज भी पहले की तरह लागू किया जाता है। दरअसल पति के साथ रहने और संतान को जन्म देने जैसे मानक सैकड़ों-हजार वर्षों से स्त्रियों को बांध देने के लिए समाज में लागू हैं। इस दुनिया में ऐसी असंख्य शिक्षित, आत्मनिर्भर और सजग औरतें हैं, जिन्होंने शादी नहीं की, न ही संतानों को जन्म दिया। फिर भी उनका जीवन व्यर्थ नहीं हुआ। महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले में हमारे समाज का रवैया कैसा है, इसका पता बांग्लादेश की एक हालिया घटना से चलता है। वहां मजनूं नाम के एक लुटेरे व नशेड़ी को ढाका विश्वविद्यालय की एक छात्रा से बलात्कार के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उसकी गिरफ्तारी के बाद पुलिस अधिकारी ने मीडिया में जो बयान जारी किया, उसके मुताबिक, मजनूं का यह अपराध उसके पहले के अपराधों की तुलना में ज्यादा गंभीर है। उसने इससे पहले क्या अपराध किया था? पता चलता है कि इससे पहले भी उसने कई गरीब और दिव्यांग लड़कियों के साथ यही घृणित अपराध किया था। पुलिस अधिकारी शायद यह कहना चाह रहे हों कि एक के बाद अपराध करने के कारण मजनूं का जुर्म ज्यादा गंभीर है। यह सही हो सकता है, लेकिन पुलिस अधिकारी के बयान से इसका भी आभास मिलता है कि एक पढ़ी-लिखी लड़की के साथ यौन अपराध गंभीर मामला है। जिस समाज में पुलिस-प्रशासन के उच्च पदों पर आसीन लोग तक स्त्री के खिलाफ अपराधों में फर्क करते हैं, उस समाज में महिलाओं को न्याय दिलाना बहुत आसान नहीं है। यह मानने का कारण है कि गरीब, मजबूर और साधनहीन महिलाओं के साथ होने वाले अपराधों के प्रति प्रशासन-व्यवस्था का रवैया अमीर, पढ़ी-लिखी और प्रभावशाली महिलाओं के साथ होने वाले अपराधों से भिन्न होता है। उसे कौन समझाए कि यौन अपराध चाहे किसी के भी साथ हो, घृणित और निंदनीय है, और ऐसे हर मामले में पुलिस-प्रशासन का रवैया एक जैसा होना चाहिए। लेकिन जिस बांग्लादेश में समाज निरंतर कट्टरता की ओर जा रहा है, जहां लड़कियों, स्त्रियों के प्रति रोज ही नए दिशा-निर्देश जारी होते हैं, वहां यौन अपराधों के खिलाफ एक जैसी सख्ती और प्रतिबद्धता की उम्मीद करें भी, तो कैसे! वहां के स्कूली पाठ्यपुस्तक में सलवार-कमीज और दुपट्टे में एक लड़की की तस्वीर छापकर कहा गया है कि यही लड़कियों की उपयुक्त पोशाक है। आगे इसमें कारण बताते हुए कहा गया है कि शारीरिक बदलावों के कारण बड़ी होती लड़कियों को झुककर चलना पड़ता है। लेकिन कमीज पर दुपट्टा रख लेने से वे सीधा होकर चल सकेंगी। यह तो एक नमूना है। आने वाले दिनों में बुर्के वाली महिलाओं की तस्वीर छापकर बताया जाएगा कि महिलाओं के लिए यही उपयुक्त पोशाक है। बांग्लादेश के समाज में कट्टरवादी सोच के साथ कट्टरवादी पोशाकों के प्रति रुझान जिस तरह बढ़ता जा रहा है, उसमें लगता नहीं है कि बुर्के पर जोर देने का कोई विरोध होगा। पूछा जाना चाहिए कि शरीर में बदलाव होने पर लड़कियों को शर्मिंदा क्यों होना चाहिए? और अतिरिक्त कपड़ा या पर्दा इसका हल क्यों होना चाहिए? क्या पुरुषों के शारीरिक बदलाव के बारे में भी यही तर्क दिया जाता है? हैरानी की बात यह है कि इस तरह के तर्क मौजूदा 21वीं सदी में भी दिए जा रहे हैं। इन कट्टरवादियों का तर्क यह भी है कि मर्यादा और गरिमा में रहने वाली लड़कियों, स्त्रियों के साथ अपराध कम होते हैं। जाहिर है, यह कुतर्क ही है। स्त्रियों पर होने वाले अपराधों को कम करने के लिए महिलाओं का पर्दे और बुर्के में ढका रहना जरूरी नहीं है। बल्कि ज्यादा जरूरी यह है कि पुलिस-प्रशासन चुस्त-दुरुस्त हो, और समाज में स्त्रियों के प्रति जागरूकता पैदा करने का प्रयास हो।

अयोध्या: राम मंदिर में बम की सूचना से मचा हड़कंप

नाबालिग ने 112 डायल कर कहा, राम जन्मभूमि में बम है

प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तैयारियों के बीच शनिवार की देर रात राममंदिर व राम जन्मभूमि थाने में बम होने की सूचना से हड़कंप मच गया। पुलिस प्रशासन के हाथ-पांव फूल गए। सूचना के पांच मिनट के भीतर सुरक्षा में लगे अधिकारी राम जन्मभूमि परिसर पहुंच गए। तमाम एजेंसियों ने पूरे मंदिर को कब्जे में ले लिया। जगह जगह बम खोजा जाने लगा। दरअसल शाहजहांपुर के रहने वाले 12 वर्ष के बच्चे ने वीडियो गेम खेलने के दौरान 112 डायल कर दिया। फोन उठने पर उसने मजाक में पहले कहा कि रामजन्मभूमि थाने में बम है। कंट्रोल रूम से तत्काल पलट कर दूसरी कॉल की गई तो बच्चे ने कहा कि राममंदिर में भी बम है। पुलिस ने मोबाइल नंबर की जांच शुरू की तो पता चला कि नंबर जिला शाहजहांपुर के गांव पिपरा जसी निवासी लीलावती का है। कंट्रोल रूम से तत्काल शाहजहांपुर और अयोध्या पुलिस को सूचना दी गई। शाहजहांपुर पुलिस लीलावती के घर पहुंच गई। पूछताछ में पता चला कि लीलावती का नाती मोबाइल में गेम खेल रहा था। बच्चे ने बताया कि खेलने के दौरान ही अचानक इमरजेंसी कॉल 112 नंबर पर लग गई। उसने मजाक में बम की बात कही थी। एसपी सुरक्षा पंकज पांडेय ने बताया कि शनिवार की रात करीब 11:30 बजे बम की सूचना पर एटीएस समेत अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने तत्काल राममंदिर में मोर्चा संभाल लिया था। डॉग स्क्वॉड, बम स्क्वॉड समेत अन्य आधुनिक सुरक्षा उपकरणों से पूरे परिसर को खंगाला गया। कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। बच्चे ने वीडियो गेम खेलने के दौरान मजाक में सूचना दी थी। उसे चेतावनी दी गई है।

मकर संक्रांति पर बाबा महाकाल का अलौकिक शृंगार

पहले तिल का उबटन, फिर गर्म जल से स्नान के बाद रमाई भस्म

मध्य प्रदेश के उज्जैन के विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर में सोमवार सुबह मकर संक्रांति पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान सुबह चार बजे भस्म आरती में पुजारी व पुरोहितों द्वारा भगवान महाकाल को तिल का उबटन लगाकर गर्म जल से स्नान कराया गया। फिर नए वस्त्र और सोने चांदी के आभूषण के साथ ही भगवान का मेवे से शृंगार कर भस्म रमाई गई। इसके बाद भगवान को तिल्ली के लड्डू और तिल से बने छप्पन पकवानों का भोग लगाकर आरती भी की गई। पं. अभिषेक शर्मा (बाला गुरु) ने बताया कि ज्योतिर्लिंग की पूजन परंपरा में मकर संक्रांति के अवसर पर भगवान महाकाल को तिल से स्नान कराने और तिल्ली के पकवानों का भोग लगाने की परंपरा है। इस दिन भगवान को गुड़ और शक्कर से बने तिल्ली के लड्डुओं का भोग लगाया जाता है। ज्योतिर्लिंग की जलाधारी में भी तिल्ली अर्पित की जाती है। इंदौर के आध्यात्मिक गुरु कृष्णा मिश्रा गुरुजी ने बताया कि आज शनि नवग्रह मंदिर त्रिवेणी (उज्जैन) में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी सूर्य देव की सवारी निकाली जाएगी। सवारी का संदेश पिता पुत्र के रिश्तों में मिठास बनाए रखने का होगा। ज्योतिषी में सूर्य देव, शनि देव पिता पुत्र होते हुए भी पारस्परिक शत्रु हैं। पर फिर भी एक दूसरे के घर आना जाना बंद नहीं करते। यही संदेश इस यात्रा के माध्यम से दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि आज शनि त्रिवेणी मंदिर के सूर्य देव के गर्भगृह से मंदिर से 101 बटुक ब्राह्मण राम धुन पर सूर्य नमस्कार के बाद पालकी में सवार सूर्य ग्रह की सवारी रामधुन ताशे, ढोल, फूलों की तोप त्रिवेणी नदी तक ले जाकर निकालेंगे।

फरवरी में मंगल व बुध की युति, चमकेगा इन राशियों का बढ़ेगा बैंक-बैलेंस

वैदिक ज्योतिष के अनुसार, कई ग्रह हर महीने अपनी स्थिति बदलते हैं। फरवरी 2024 में कई ग्रहों का परिवर्तन होगा। अगले महीने कई शुभ योग और ग्रह संयोग बनने जा रहे हैं। इसमें बुध और मंगल की युति होगी। इन दोनों का मिलन मकर राशि में होगा। इस युति से कुछ राशियों को काफी फायदा हो सकता है।

मेष राशि- बुध और मंगल की युति मेष राशि के 10वें भाव में होगी। इस राशि के जातकों को अप्रत्याशित धन की प्राप्ति हो सकती है। छात्रों को परीक्षा में आशातीत सफलता मिल सकती है। प्रोफेशनल्स अपने बिजनेस में अच्छा ऑर्डर प्राप्त करने में सफल रहेंगे। पैसा बचाने में सफल हो सकते हैं।

वृश्चिक राशि बुध और मंगल की युति तीसरे भाव में होगी। वृश्चि राशि वालों को खूब धन मिल सकता है। प्रोफेशनल्स के लिए कई दरवाजे खुल सकते हैं। नए प्रोजेक्ट आपके सामने आ सकते हैं। पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि होने की संभावना है। इस अवधि में पिता का सहयोग मिलेगा।

मकर राशि- मंगल और बुध की युति मकर राशि के प्रथम भाव में होगी। इस बार भाग्य आपका साथ देगा। करियर में नई छलांग लग सकती है। नौकरीपेशा वर्ग को प्रमोशन मिल सकता है। वैवाहिक जीवन सुखमय रहने की संभावना है।

मुंबई एयरपोर्ट की व्यवस्था पर भड़कीं राधिका आप्टे

मुंबई एक्ट्रेस राधिका आप्टे ने बॉलीवुड में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। राधिका अपनी बेहतरीन एक्टिंग के साथ-साथ अपनी बेबाकी के लिए भी जानी जाती हैं। उनकी सोशल मीडिया पोस्ट अक्सर सुर्खियां बटोरती रहती हैं। हाल ही में शेयर की गई इंस्टाग्राम पोस्ट में राधिका ने मुंबई एयरपोर्ट पर अपने अनुभव के बारे में बताया है। राधिका ने अपनी पोस्ट में मुंबई एयरपोर्ट से कुछ तस्वीरें और वीडियो शेयर किए हैं । इस वीडियो में देखा जा सकता है कि एयरपोर्ट की व्यवस्था से वहां मौजूद नागरिक परेशान हो रहे हैं। राधिका भी पिछले कुछ घंटों से एयरपोर्ट पर फंसी हुई हैं। एयरपोर्ट की भीड़ और परेशान यात्रियों का एक वीडियो शेयर करते हुए राधिका ने लिखा, आखिरकार मुझे यह पोस्ट करना पड़ा! मेरी फ्लाइट आज सुबह 8:30 बजे थी, अब ठीक 10:30 हो गए हैं लेकिन अभी भी फ्लाइट का कोई पता नहीं है। हम सभी यात्रियों को एयरोब्रिज में बैठा दिया गया और बाहर से ताला लगा दिया गया, यह कहते हुए कि फ्लाइट जल्द ही आएगी। यहां कुछ लोग अपने बच्चों के साथ यात्रा कर रहे हैं। बूढ़े यात्री, ये छोटे बच्चे सभी पिछले एक घंटे से बंद हैं। सुरक्षा गार्ड दरवाजा खोलने को तैयार नहीं हैं।यहां के कर्मचारियों को किसी भी बात की पूरी जानकारी नहीं है।

3 राजनीतिक दल मुझे टिकट देने को बेताब अभिनेता प्रकाश राज का बड़ा दावा

नई दिल्ली: लोकसभा चुनाव से पहले राजनीतिक दलों की ओर से चुनावी समीकरण सेट किया जाने लगा है. राजनीतिक दल चुनाव में जीत हासिल करने के लिए बड़े चेहरों की तलाश में जुटे हैं. फिल्म अभिनेता प्रकाश राज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार के खिलाफ खुलकर बोलने के लिए जाने जाते हैं. अब इसी अभिनेता ने बड़ा दावा किया है कि लोकसभा चुनाव में उम्मीदवार बनाने के लिए कई राजनीतिक दल संपर्क में हैं क्योंकि वह पीएम मोदी का खुलकर विरोध करते हैं. 58 साल के अभिनेता प्रकाश राज का कहना है कि 'तीन राजनीतिक दल' इस साल होने वाले लोकसभा चुनाव में उन्हें अपना उम्मीदवार बनाने के लिए पीछे पड़े हुए हैं. लेकिन इसकी वजह उनकी विचारधारा नहीं है बल्कि इसलिए है क्योंकि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आलोचक हैं. प्रकाश राज ने कोझिकोड़ में आयोजित केरल साहित्य महोत्सव (केएलएफ) में कहा, मैं तो इस जाल में फंसना ही नहीं चाहता. कई अहम पुरस्कार जीत चुके फिल्म अभिनेता को कांचीवरम, सिंघम और वांटेड जैसी चर्चित फिल्मों में उनके शानदार काम के लिए जाना जाता है. वह पिछले लोकसभा चुनाव में भी लड़ चुके हैं. 2019 के लोकसभा चुनाव में वह बेंगलुरु सेंट्रल संसदीय सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव मैदान में उतरे थे लेकिन उन्हें हार मिली थी.

वीकेंड का वार में अंकिता का खुलासा

विकी के पापा ने अंकिता की मां से कहा- आपकी औकात क्या है

नई दिल्ली । बिग बॉस 17 के वीकेंड का वार में करण जौहर ने विकी जैन की क्लास लगाई। वह विकी से कहते हैं, 'जब आपकी मां नेशनल टेलीविजन पर अंकिता से सवाल पूछती हैं तब पति होने के नाते आपको उनके पीछे खड़े रहना चाहिए।' इतना ही नहीं करण, विकी ये भी कहते हैं कि उन्होंने एक बार भी अंकिता से यह नहीं पूछा कि थेरेपी रूम में उनके और उनकी मां के बीच ऐसा क्या हुआ कि वह बार-बार सॉरी बोल रही हैं। करण के सवाल उठाने पर विकी परेशान हो जाते हैं। वह अंकिता को घर के एक कोने में ले जाते हैं और बात करते हैं।

अंकिता बताती है थेरेपी रूम वाली बात

अंकिता, विकी को बताती हैं, 'मेरी मम्मी को पापा ने फोन किया था। चप्पल-जूते का जो भी हुआ था जब एपिसोडज्पापा ने मम्मी को बोला कि आप अपने पति को ऐसे ही मारती थीं क्या चप्पल-जूते फेंककर। और भी बहुत कुछ बोलाज्आपकी औकात क्या हैज्ऐसा करके।' इस पर विकी ने अंकिता से पूछा, 'आपके पिता होते तो वो चप्पल-जूते वाला एपिसोड देखने के बाद क्या कहते' अंकिता जवाब देते हुए कहती हैं, 'उन्हें भी अच्छा नहीं लगता।'

विकी ने दिया ऐसा रिएक्शन

विकी कहते हैं, 'आपके पिता अपनी फीलिंग्स को किसी न किसी के साथ तो शेयर करते। आपके साथ या मम्मी के साथ। मैं ये पूछना चाह रहा हूं कि कुछ अलग है या सेम फीलिंग है। एक फादर को वो फीलिंग आ सकती है या नहीं जिनको पता ही नहीं है कि हम कभी झगड़ा भी करते हैं क्योंकि वो रहते नहीं हैं हमारे साथ। मुझे ये सब सुनकर ऐसा लगता है कि बाहर ऐसा दिखाई दे रहा है कि विकी और विकी की फैमिली बहुत ज्यादा ईगो और अमीर फैमिली है जो अपने आपको बहुत बड़ा समझती है और अंकिता की फैमिली उनकी वजह से बहुत सफर कर रही है।

कैटरीना कैफ की फिल्म मेरी क्रिसमस की कलेक्शन में आई भारी कमी

मुंबई । एक्ट्रेस कैटरीना कैफ और विजय सेतुपति की फिल्म मेरी क्रिसमस कल 12 जनवरी सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। श्री राम राघवन द्वारा निर्देशित इस सस्पेंस और थ्रिलर फिल्म का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। इस फिल्म में विजय और कैटरीना पहली बार बड़े पर्दे पर नजर आ रहे है। कई कलाकारों ने भी इस फिल्म की सराहना की लेकिन फिल्म की बॉक्स ऑफिस पर धीमी शुरुआत हुई है। मेरी क्रिसमस बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की पहले दिनकी रिपोर्ट सामने आ गयी है। सैनिक रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म मैरी क्रिसमस ने रिलीज के पहले दिन 2.55 करोड़ का कलेक्शन किया है। अब अनुमान लगाया जा रहा है कि इस वीकेंड यानी आज और कल इस फिल्म की कमाई में इजाफा हो सकता है। फिल्म मेरी क्रिसमस में कैटरीना और विजय के साथ-साथ राधिका आप्टे, अदिति गवेकर, टीनू आनंद, संजय कपूर और विनय पाठक भी हैं। फिल्म में राधिका का कैमियो है। इस फिल्म के जरिए कैटरीना कैफ और विजय सेतुपति पहली बार बड़े पर्दे पर नजर आ रहे हैं। फिल्म में दोनों एक दूसरे के साथ रोमांस करते नजर आ रहे हैं। फिल्म में कैटरीना और विजय के रोमांटिक अंदाज ने कई लोगों का ध्यान आकर्षित किया है। फिल्म मैरी क्रिसमस दो अजनबियों, अल्बर्ट (विजय सेतुपति) और मारिया (कैटरीना कैफ) की कहानी बताती है, जो अनजाने में एक-दूसरे से मिलते हैं और घटनाओं के बवंडर में फंस जाते हैं। श्रीराम राघवन की फिल्म एक रोलर-कोस्टर राइड की तरह है।

साल 2024 में 20 बड़ी फिल्में होंगी रिलीज, 10 के बीच होगा जबरदस्त क्लैश

नई दिल्ली । साल 2024 में बॉक्स ऑफिस पर धमाका होगा। 'कल्कि 2898 एडी', 'पुष्पा-2', 'लाल सलाम' जैसी 20 बड़ी फिल्में इस साल थिएटर्स में दस्तक देंगी। लेकिन इन 20 फिल्मों में से 10 फिल्में ऐसी भी हैं जो एक ही दिन पर रिलीज होने वाली हैं। जी हां, साल 2024 में एक या दो बार नहीं बल्कि पांच बार दो बड़ी फिल्मों के बीच क्लैश देखने को मिलेगा। आइए देखते हैं बॉक्स ऑफिस पर टकराने वाली 10 फिल्मों की लिस्ट।

पंकज त्रिपाठी बनाम आदिल खान

19 जनवरी के दिन हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के जाने-माने एक्टर पंकज त्रिपाठी की फिल्म 'मैं अटल हूं' सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसी दिन आदिल खान की साउथ फिल्म 'दशमी' भी थिएटर्स में दस्तक देगी। बता दें, आदिल खान को विधु विनोद चोपड़ा की फिल्म 'शिकारा' में देखा गया था।

रजनीकांत बनाम शाहिद कपूर

रजनीकांत की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'लाल सलाम' 9 फरवरी के दिन थिएटर्स में रिलीज होगी। वहीं शाहिद कपूर और कृति सेनन की फिल्म 'तेरी बातों मैं ऐसा उलझा जिया भी इसी दिन लोगों का मनोरंजन करेगी।

संजय दत्त बनाम अजय देवगन

संजय दत्त की साउथ फिल्म 'डबल इस्मार्ट' के साथ अजय देवगन की सुपरनेचुरल फिल्म भी 8 मार्च के दिन सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है।

अल्लू अर्जुन बनाम अजय देवगन

संजय दत्त से पंगा लेने के बाद अजय देवगन, अल्लू अर्जुन से भिड़ेंगे। दरअसल, उनकी मोस्ट अवेटिड फिल्म 'सिंघम अगेन', अल्लू अर्जुन की फिल्म 'पुष्पा 2' के साथ 15 अगस्त को रिलीज होने जा रही है।

आमिर खान बनाम अक्षय कुमार

अक्षय कुमार की फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' 20 दिसंबर के दिन सिनेमाघरों में आएगी। इसके ठीक पांच दिन बाद आमिर खान की 'सितारे जमीन पर' रिलीज होगी। ये डायरेक्ट क्लैश नहीं है लेकिन, धमाका होना तय है।

सुरभि चंदना ने एयरलाइन पर लगाया `मानसिक उत्पीड़न' का आरोप - पर बताई आपबीती

मुंबई- 'नागिन 5' और 'कुबूल है' जैसे पॉपुलर टीवी शो में कई अहम किरदार निभा चुकी एक्ट्रेस सुरभि चंदना ने चौंकाने वाला खुलासा किया है. उन्होंने मुंबई एयरपोर्ट पर एक हालिया घटना को लेकर विस्तारा एयरलाइन पर 'मानसिक उत्पीड़न' का आरोप लगाया है. सुरभि ने शनिवार को अपने सोशल मीडिया हैंडल पर विस्तारा एयरलाइन के व्यवहार पर दुख जताया. उन्होंने आरोप लगाया गया कि उनका सामान गलत जगह पर रख दिया गया और ग्राउंड स्टाफ सदस्य ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया. सुरभि चंदना ने एयरलाइन की कथित लापरवाही के कारण हुई परेशानी को उजागर करते हुए अपनी आपबीती सुनाई. उन्होंने एक्स पर लिखा, सबसे खराब एयरलाइन का पुरस्कार 'एयर विस्तारा' को जाता है. मेरे जरुरी बैग को ऑफलॉडेड कर दिया गया, इसका कारण उनको ही पता होगा, उन्होंने पूरा दिन बर्बाद कर दिया. सुरभि चंदना ने आगे लिखा, और मुझे अभी भी आश्वस्त नहीं किया गया है कि बैग सही तरीके से मां तक पहुंचा है या नहीं, अक्षम कर्मचारियों के झूठे वादे, और एयरलाइन ने भयानक देरी की है. विस्तारा ने पोस्ट पर चंदना के दावों का तुरंत जवाब दिया, अभिनेत्री को आश्वासन दिया कि उनकी शिकायत को हाई प्रियोरिटी के साथ देखा जा रहा है.

विस्तार एयरलाइन ने दिया सुरभि चंदना का जवाब

विस्तारा ने एक ट्वीट में उत्तर दिया, हाय सुश्री चंदना, हम आपकी निराशा के बारे में जानकर चिंतित हैं. कृपया अपनी बुकिंग डिटेल और डीएम के माध्यम से जुड़ने के लिए हमारी सहायता करें. अगली पोस्ट में उन्होंने एक नाम को संबोधित करते हुए आरोप लगाया.

सुरभि चंदना ने की स्टाफ की शिकायत

सुरभि चंदना ने लिखा, दीपिका- विस्तारा मुंबई हवाई अड्डे का ग्राउंड स्टाफ बेहद अनप्रोफेशनल और कम ट्रेन है और सिचुएशन के लिए कोई गलती भी नहीं मान रही. उन्होंने बेहद असभ्य तरीके से कहा, 'हमें नहीं पता कि आपका बैग कब आएगा और हम कुछ भी नहीं कर सकते. साथ ही जब डिलीवरी के बारे में पूछा गया तो, उन्होंने कहा, 'मेरे वेंडर बिजी हैं और मैं आपको बैग नहीं दे पाऊंगी. बेहतर होगा कि आप इसे लेने आ जाएं. यह एयरलाइन का स्टाफ और सेवा है, जबकि गलती उन्हीं की है.

चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 17 फीसदी बढ़ा डी-मार्ट का प्रॉफिट

नई दिल्ली । रिटेल चेन डी-माट का संचालन करने वाली कंपनी एवेन्यू सुपरमार्ट्स लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर, 2023) में प्रॉफिट 17 प्रतिशत बढ़कर 690.41 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने शनिवार को अक्टूबर-दिसंबर, 2023 तिमाही के नतीजों की शेयर बाजार को दी गई सूचना में कहा कि एक साल पहले की समान तिमाही में उसका प्रॉफिट 589.64 करोड़ रुपये रहा था।

कितनी कमाई और खर्च

इस अवधि में एवेन्यू सुपरमार्ट्स की परिचालन आय 17.31 प्रतिशत बढ़कर 13,572.47 करोड़ रुपये हो गई। वर्ष 2022 की समान अवधि में यह 11,569.05 करोड़ रुपये थी। बीती तिमाही में कंपनी का कुल खर्च 17.31 प्रतिशत बढ़कर 12,656.46 करोड़ रुपये हो गया। इस दौरान कंपनी की कुल आय 17.28 प्रतिशत वृद्धि के साथ 13,605.39 करोड़ रुपये हो गई।

मैनेजमेंट में बदलाव

कंपनी ने शेयर बाजार को दी एक अन्य सूचना में कहा कि उसके निदेशक मंडल ने हरीशचंद्र एम भरुका को कंपनी का स्वतंत्र निदेशक नियुक्त किया है। अरबपति राधाकिशन दमानी और उनके परिवार के प्रवर्तन वाली यह कंपनी महाराष्ट्र, गुजरात, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, एनसीआर, तमिलनाडु, पंजाब, राजस्थान में रिटेल चेन का संचालन करती है। बता दें कि दिग्गज निवेशक और अरबपति दमानी देश के टॉप अरबपतियों में शुमार हैं।

दिल्ली में डी-मार्ट की डील

इस बीच, रियल्टी फर्म मिगसन ग्रुप ने बताया कि उसने दिल्ली में कॉमर्शियल प्रोजेक्ट में 47,000 वर्ग फुट रिटेल प्लेस डी-मार्ट को 108 करोड़ रुपये में बेच दिया है। एक लीडिंग हाइपरमार्केट रिटेल चेन, डीमार्ट ने 108 करोड़ रुपये में हाइपरमार्केट स्टोर बनाने के लिए परियोजना की निचली मंजिल और पहली मंजिल का अधिग्रहण किया है। पिछले साल, मिगसन ग्रुप ने नौ एकड़ भूमि पार्सल का अधिग्रहण किया था।

सिंगल कॉलम

सीआरपीएफ खेल कोटा में कॉन्स्टेबल जीडी पदों पर निकली भर्ती

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ने खेल कोटा के तहत ग्रुप सी में 169 कॉन्स्टेबल (जनरल ड्यूटी) पदों पर भर्ती निकाली है। इन रिक्तियों के लिए आवेदन की प्रक्रिया 16 जनवरी 2024 सुबह 9 बजे से शुरू होगी, जबकि आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 15 फरवरी 2024 दोपहर 12 बजे तक है। इच्छुक उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट rect.crpf.gov.in पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

आयुसीमा

सीआरपीएफ खेल कोटा के तहत भर्ती के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों की आयु 15 फरवरी 2024 को 18 से 23 वर्ष के बीच होनी चाहिए। इसके साथ ही उम्मीदवारों को किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से 10वीं पास होना जरूरी है।

आवेदन शुल्क

सीआरपीएफ खेल कोटा भर्ती के लिए आवेदन करने वाले अनारक्षित वर्ग, अन्य पिछड़ा वर्ग और ईडब्ल्यूएस वर्ग के पुरुष उम्मीदवारों के लिए आवेदन शुल्क 100 रुपये है। महिलाओं और एससी और एसटी वर्ग के लिए आवेदन शुल्क में छूट दी गई है।

चयन प्रक्रिया

सीआरपीएफ जीडी खेल कोटा भर्ती प्रक्रिया को पास करने के लिए उम्मीदवारों को कंप्यूटर आधारित परीक्षण, शारीरिक दक्षता परीक्षण, शारीरिक मानक परीक्षण, दस्तावेज सत्यापन और चिकित्सा परीक्षा पास करना होगा।

वेतन

सीआरपीएफ कॉन्स्टेबल जीडी पद पर चयनित उम्मीदवारों को लेवल 3 के मुताबिक 21700 रुपये से 69100 रुपये तक वेतन मिलेगा।

अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के दिन बंद रहेंगे बैंक, यूपी में 22 को रहेगा सार्वजनिक अवकाश

नई दिल्ली । *कई राज्यों के अवकाश कैलेंडर के अनुसार, उत्तरायण पुण्यकाल/मकर संक्रांति महोत्सव/माघे संक्रांति/पोंगल/माघ बिहू के उपलक्ष्या में आज यानी 15 जनवरी को कर्नाटक, उड़ीसा, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, सिक्किम और असम में बैंक बंद हैं। वहीं 16 जनवरी यानी मंगलवार को तमिलनाडु में तिरुवल्लुवर दिवस के उपलक्ष्य में बैंक बंद रहेंगे। 17 जनवरी बुधवार को चंडीगढ़ में बैंक हॉलीडे है। तमिलनाडु में इस दिन उझावर थिरुनल के उपलक्ष्य में बैंकों में कामकाज नहीं होंगे।*

22 जनवरी को बैंकों में छुट्टी

अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर में भगवान राम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर उत्तर प्रदेश में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। इस दिन सभी सरकारी संस्थान बंद रहेंगे। निगोशिएबुल इन्स्ट्रूमेंट एक्ट 1881 के तहत 22 को बैंकों में भी अवकाश रहेगा। इस दिन एसबीआई, पीएनबी, बैंक ऑफ इंडिया, केनरा बैंक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ बड़ौदा जैसे सरकारी बैंकों के अलावा एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई, एक्सिस, बंधन बैंक समेत सभी प्राइवेट बैंक भी बंद रहेंगे। एटीएम और ऑनलाइन बैंकिंग जारी रहेगी।

21 से 28 तक छुट्टियां ही छुट्टियां *अगले हफ्ते छुट्टियों की भरमार है। 21 को रविवार के दिन साप्ताहिक अवकाश के कारण बैंक बंद रहेंगे। 22 जनवरी को राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की वजह से उत्तर प्रदेश में बैंक बंद रहेंगे, जबकि 22 जनवरी को ही मणिपुर में इमोइनु इरतपा के अवसर पर बैंक बंद रहेंगे। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के हॉलीडे कैलेंडर 2024 के मुताबिक 23 जनवरी यानी मंगलवार को मणिपुर गान नगाई के अवसर पर बैंक बंद रहेंगे। जबकि, अन्य राज्यों में खुले रहेंगे। इसके बाद 25 जनवरी गुरुवार को तमिलनाडु, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश में थाई पूसम/मोहम्मद हजरत अली का जन्मदिन के मौके पर बैंकों में छुट्टी रहेगी। 26 जनवरी शुक्रवार यानी गणतंत्र दिवस के मौके पर देशभर में बैंक समेत सभी कार्यालयों में अवकाश रहेगा। 27 जनवरी को सेकेंड सैटरडे और 28 को संडे होने की वजह से बैंक बंद रहेंगे।*

भारत ने न्यूजीलैंड को 3-1 से हराया

रांची । एफआईएच महिला हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर में भारत ने न्यूजीलैंड को हराकर सेमीफाइनल की उम्मीद को कायम रखा है। रविवार को दिन का आखिरी मुकाबला भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेला गया।पहली मैच में मिली हार को भुलाकर भारत ने मैच के 41वें सेकेंड में गोल कर इरादा साफ कर दिया। झारखंड की संगीता कुमारी ने न्यूज़ीलैंड के डिफेंस को भेदकर शानदार फील्ड गोल किया। न्यूजीलैंड के पलटवार करते हुए मैच के 9 वें मिनट में मिले पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर 1-1 से बराबरी की। मेगन हल ने न्यूजीलैंड के लिए गोल किया। भारत ने आक्रामक खेल खेलते हुए 12 वें मिनट में पेनाल्टी को गोल में बदलकर 2-1 की लीड बनाई। उदिता ने भारत के लिए दूसरा गोल किया। भारत के लिए तीसरा गोल नेहा ने 14वें मिनट में किया। न्यूजीलैंड के डिफेंस में सेंध लगाकर फील्ड गोल कर 3-1 की लीड ली। पहले क्वार्टर में हुए शानदार गेम के बाद बाकी के तीन क्वार्टर में कांटे की टक्कर हुई। हालांकि दोनों टीम गोल करने में असमर्थ रहीं। दोनों टीम को 5-5 पेनाल्टी कॉर्नर मिले। झारखंड की सलीमा टेटे को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने कहा पूरी टीम ने 100 परसेंट परफॉर्म किया। भारत का अगला मुकाबला इटली के साथ 16 जनवरी को खेला जाएगा।

प्रेग्नेंसी में क्यों होती है कब्ज की समस्या इन उपायों से मिलेगा जल्द आराम

नई दिल्ली । किसी भी महिला के जीवन में प्रेग्नेंसी काफी जरूरी फेज होता है. इस दौरान आपको अपनी डाइट, मेडिकेशन और एक्सरसाइज का काफी ज्यादा ख्याल रखना होता है क्योंकि आपके अंदर एक नन्हीं सी जान पल रही होती है, जिसकी जिम्मेदारी भी आपके ही ऊपर होती है. हालांकि, इस दौरान महिलाओं को कई तरह की चुनौतियों का सामना भी करना पड़ता है जिसमें से एक है कब्ज की समस्या.

ऐसे में यह जानना काफी जरूरी है कि प्रेग्नेंसी में महिलाओं को अपच और कब्ज की समस्या का सामना किन कारणों की वजह से करना पड़ता है और कैसे इस समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है.

हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है कि प्रेग्नेंसी में कब्ज होना काफी कॉमन है. यह शरीर में होने वाले हार्मोन्स में बदलाव के कारण होता है, इस दौरान आंतों पर प्रेशर बढ़ने लगता है. इसके अलावा फाइबर, पानी और एक्सरसाइज की कमी के कारण प्रेग्नेंसी में गर्भवती महिलाओं को कब्ज की समस्या होती है. कुछ घरेलू उपायों से गर्भवती महिलाएं कब्ज की समस्या से छुटकारा पा सकती हैं. आइए जानते हैं इन उपायों के बारे में विस्तार से-

ज्यादा से ज्यादा पानी पिएंड्ड सुबह उठते ही सबसे पहले गर्भवती महिलाओं को गुनगुना पानी पीना चाहिए. यह कब्ज से छुटकारा पाने का सबसे असरदार उपाय है और इसका कोई साइड इफेक्ट भी नहीं होता. आपको एक दिन में लगभग 2 से 3 लीटर पानी पीना चाहिए.

सोच-समझकर खाएं- हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है कि प्रेग्नेंसी में सोच-समझ कर खाएं. इससे पाचन में सुधार होता है. आपको कुछ भी खाते समय उसे अच्छे से चबाना चाहिए. इसके साथ ही डाइट में हरी पत्तेदार सब्जियों को जरूर शामिल करें इससे पेट अच्छे से साफ होता है. इसके अलावा रोज एक केला या अमरूद खाएं.

फाइबर से भरपूर चीजों को करें शामिल- डाइट में फाइबर से भरपूर चीजों को शामिल करने से पेट अच्छे से साफ होता है. हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है कि अपनी डाइट में सब्जी, साबुत अनाज, दालें और फलों को शामिल करें. इससे आपके साथ-साथ गर्भ में पल रहे बच्चों को भी भरपूर पोषण मिलेगा.

प्रोबायोटिक फूड्स को करें शामिल- दही और बाकी फर्मेंटेड फूड्स में भरपूर मात्रा में प्रोबायोटिक्स पाए जाते हैं. यह पेट के लिए काफी अच्छे माने जाते हैं. इन्हें खाने से बॉडी का हाइड्रेशन लेवल मेंटेन रहता है. इन्हें रोजाना खाने से कब्ज की समस्या से राहत मिलती है.

एक्सरसाइज है जरूरी- कब्ज की समस्या से राहत पाने के लिए जरूरी है कि आप हल्की वॉक या योग करें. लेकिन इससे पहले अपने डॉक्टर की सलाह जरूर लें. डॉक्टर की सलाह के बिना इस दौरान कोई भी एक्सरसाइज ना करें.

ऑपरेशन थियेटर में सर्जन को आया हार्ट अटैक, साथी डॉक्टरों ने इस तरह बचाई जान

नोएडा। अचानक बढ़े हार्ट अटैक के मामलों ने चिंता बढ़ा दी है. शनिवार को नोएडा में एक शख्स की क्रिकेट खेलते समय हार्ट अटैक से मौत हो गई थी. वहीं, जिला अस्पताल नोएडा में एक आई सर्जन को सर्जरी करते समय हार्ट अटैक आ गया. हालांकि, साथी डॉक्टरों की सूझबूझ से उनकी जान बच गई. मामला नोएडा के जिला अस्पताल का है. यहां आई सर्जन के पद पर तैनात डॉक्टर सतेंद्र मंगलवार को ऑपरेशन थियेटर में एक मरीज की सर्जरी में व्यस्त थे. इसी दौरान उनको अचानक पसीना आने लगा और घबराहट होने लगी. साथी डॉक्टरों ने जब सतेंद्र के चेहरे पर पसीना और घबराहट देखी तो आननफानन ऑपरेशन थियेटर से निकालकर जिला अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में ले गए. वहां डॉक्टर सतेंद्र का एजीसी टेस्ट किया गया. इसकी रिपोर्ट असामान्य आने पर साथी डॉक्टर सतेंद्र को नोएडा के प्राइवेट अस्पताल ले गए.

साथी डॉक्टरों ने सतेंद्र को समय पर अस्पताल पहुंचाया

वहां कार्डियोलोजिस्ट विभाग के डॉक्टरों ने एंजियोप्लास्टी की. अस्पताल की ओर से बताया गया कि साथी डॉक्टरों की सूझबूझ से युवा डॉक्टर को समय पर अस्पताल पहुंचाया गया. जांच में सौ प्रतिशत ब्लॉकेज मिला. इसके बाद कार्डियोलॉजिस्ट विभाग के डॉक्टरों द्वारा एंजियोप्लास्टी की गई. फिलहाल डॉक्टर सतेंद्र सुरक्षित हैं.

क्रिकेट मैच के दौरान रन लेते समय आया हार्ट अटैक

इससे पहले नोएडा में क्रिकेट मैच खेल रहे एक युवक की रन लेते समय हार्ट अटैक से जान चली गई थी. घटना थाना एक्सप्रेसवे क्षेत्र के सेक्टर-135 की थी. यहां शनिवार को कुछ लोग स्टेडियम में मैच खेल रहे थे. इस दौरान उत्तराखंड के रहने वाले 36 साल के विकास नेगी बैटिंग के लिए उतरे.

बैटिंग के दौरान विकास एक रन लेने के लिए दौड़े. मगर, बेहोश होकर गिर पड़े. ये देख दोस्त दौड़कर उनके पास आए और बेहोशी की हालात में नजदीकी अस्पताल ले गए. मगर, तब तक देर हो चुकी थी. डॉक्टरों ने विकास को मृत घोषित कर दिया.

जालसाजों ने गरीब आदिवासियों को बनाया शिकार

पैसों का लालच देकर, बनाया बंधुआ मजदूर

पन्ना, पन्ना जिले में बेरोजगारी का आलम इस कदर है कि बेरोजगारी का फायदा उठाकर कुछ शातिर जालसाज भोलेभाले आदिवासियों को अपना शिकार बना रहे है।इन गरीब मजदूरों काम और पैसों का लालच देकर उन्हें देश के अलग अलग प्रदेशों में भेज दिया जाता है जहां उन्हें तरह तरह की यातनाएं देकर बिना मजदूरी दिए दिन रात काम कराया जा रहा था। इन बंधुआ मजदूरों ने अपने घर वी जन साहस संस्था के सदस्यों से संपर्क किया।जिसके बाद थाना अमानगंज में FIR दर्ज करवा कर पन्ना कलेक्टर को अवगत कराया। जिसके बाद पन्ना कलेक्टर ने कर्नाटक के विजयपुरा जिले के कलेक्टर से संपर्क कर 33 आदिवासी बंधुआ मजदूरों को मुक्त कराया।

भाजपा सांसद गणेश सिंह ने वाल पेंटिंग के भुगतान का बकाया रुपये मांगने पर न देने की एवज में मेरे पति के ऊपर झूठा मामला दर्ज करवा कर जेल भिजवा दिया सीमा कुशवाहा

सिटी चीफ...सतना। सतना भाजपा नेता विधानसभा चुनाव में हार के सदमे से अभी उबर नहीं पा रहे जिसका जीता जागता उदाहरण बदले की भावना की कार्यवाही वार्ड नंबर 23 के अपने ही पार्षद नीरज शुक्ला को सांसद प्रतिनिधि से हटाने के बाद उन्होंने अपने ही विधानसभा चुनाव में वाल पेंटिंग का कार्य करवाया और जब किये हुए काम की मजदूरी लेने गए तो अशोक कुशवाहा के पाँच लाख रुपये माँगने पर उसे जेल भिजवा दिए। यह आरोप अशोक कुशवाहा की पत्नी सीमा कुशवाहा ने लगाया है बहरहाल सांसद गणेश सिंह विधानसभा चुनाव में हार के सदमे से नहीं उभर पाए हैं जिसके कारण एक विशेष विरादरी के लोगों को अपनी टारगेट में ले रहे हैं फिलहाल उनकी इस बदले की कार्यवाही को लेकर देवरा निवासी अशोक कुशवाहा की पत्नी ने सांसद गणेश सिंह के ऊपर खुलेआम आरोप लगाया है उनका कहना है कि सांसद गणेश सिंह ने मेरे पति को झूठे मुकदमे में फंसाकर जेल भिजवा दिया है । हमारे पति से वाल पेंटिंग का काम करवाये और जब पैसे मांगने गए तो उन्होंने पैसे देने से मना कर दिया और दूसरे पेन्टर मुन्नू आर्ट्स से काम करवाने लगे और मेरे पति की लिखी हुई दीवार को मिटवाकर अपना प्रचार लिखाने लगे जब इसका विरोध किये तो मेरे पति को मुकदमे में फंसाकर 151 में जेल भिजवा दिए इतना ही नहीं भारतीय जनता पार्टी की सरकार की धौंस दिखाकर अधिकारियों को जमानत न देने का दबाव बनाया। फिलहाल इस तरह का कार्य करने वाले जनप्रतिनिधि जनसेवा का चोला ओढ़कर जबरन गरीबों के हक पर डाका डालने का काम करते हैं। ऐसे में इन नेताओं की बजह से भाजपा की छवि धूमिल हो रही है।

धार जिला जेल में बंदियों को कंबल वितरण किया गया

धार, शीत ऋतु के चलते मकर संक्रांति पर्व पर रविवार को जिला जेल बंदियों को ऊनि कंबल वितरण समाजसेवी साकेत अग्रवाल द्वारा वितरण किया गया। कंबल वितरण कार्यक्रम में विशेष रूप से जिला जेल अधीक्षक आर.आर. डांगी,जेलर कमल पलासिया मौजूद रहे। समाजसेवी साकेत अग्रवाल ने कहा कि सभी कैदियों को अपना भूतकाल भूलकर वर्तमान एवं भविष्य काल को सुधारने का प्रयास करना चाहिए। मानव जीवन में सेवा से बढ़कर कोई धर्म नहीं है । इस अवसर पर जिला जेल अधीक्षक आर आर डांगी ने अपने विचार व्यक्त किया एवं कैदियों के उज्जवल भविष्य के लिए अनेक योजनाए बताई। कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि शिव पटेल,मंडल अध्यक्ष नितेश अग्रवाल,जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा,भोला तिवारी,रॉकी आहूजा, भय्यू राम,राम केशव अग्रवाल,पियूष अग्रवाल,नरेंद्र राठौड़, महेश रघुवंशी उपस्थित रहकर कंबल वितरण किया।

कटनी नगर निगम ने सुरु किया विसर्जन पूजा सामग्री एकत्रीकरण वाहन

कटनी, नगर निगम कटनी द्वारा ऐतिहासिक नवाचार का परिचय दिया ,आज नगर निगम क्षेत्र में घरों मंदिरों गुरुद्वारे सहित सभी धर्मिक स्थल के पूजा हवन सामग्री विसर्जन किये जाने वाले सामग्रियों को घर घर जाकर वाहन द्वारा वाहन में एकत्र किया जाएगा। जिसका आज विधिवत सुरुआवत हरी झंडी दिखाकर सुरु किया गया,रानीपुर सिद्धपीठ संकट मोचन धाम के पीठाधीश्वर पण्डित ऋषिकृष्णा शास्त्री महाराज ने दो वाहनों को हरी झंडी दिखा नगर निगम से रवाना किया। नगर निगम ने शहर में इस तरह का वाहन सुरु कर पूजा पाठ मन्दिर से बचे अवशेष सामग्री का नष्टीकरण करने की सुरुआत किया गया जो अपने आप मे नवाचार है। नगर निगम महापौर प्रीति संजीव सूरी नगर निगम अध्यक्ष मनीष पाठक सहित नगर निगम के पार्षदों की उपस्थिति में सुरु हुआ।

रीवा के शराब कारोबारी पुष्पेन्द्र सिंह को ईडी ने किया गिरफ्तार

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने रीवा निवासी पुष्पेन्द्र सिंह को गिरफ्तार कर लिया। उसे ग्वारीघाट इलाके से गिरफ्तार किया गया, जिसके बाद रविवार को उसे विशेष अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे दो दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया। जानकारी के अनुसार पुष्पेन्द्र सिंह ने केनरा बैंक मैनेजर के साथ मिलीभगत कर कई लोगों के नाम से वाहन लोन निकलवाए। जिसके बाद उक्त राशि अपने खाते में ट्रांसफर कराई, लेकिन कंपनी से वाहनों की डिलेवरी नहीं ली। मामले में सीबीआइ समेत ईडी ने मामले में एफआइआर दर्ज की थी। वहीं पुष्पेन्द्र सिंह फर्जी डिमांड ड्राफ्ट मामले में कटनी निवासी बल्लन तिवारी का भी पार्टनर है। ईडी ने उसके घर और ठिकानों पर शनिवार को कार्रवाई की थी। टीम ने वहां से कई दस्तावेज भी जब्त किए। जुआ फड़ों पर छापामार कार्रवाई कर पुलिस ने शनिवार रात आठ जुआरियों को पकड़ा। गोहलपुर पुलिस ने चंडालभाटा के पास से कोतवाली पंजाब बैंक कॉलोनी निवासी अभिषेक अहिरवार, महाराणा प्रताप चौक हनुमानताल निवासी साहिल चौधरी, दमोहनाका निवासी विकास अहिरवार और चेरीताल निवासी शिवा विश्वकर्मा को दो हजार 750 रुपये और बंधैया मोहल्ला निवासी मुकेश कोष्टा, मंडी मदार टेकरी निवासी अरशद अंसारी, चंडालभाटा निवासी राकेश चौधरी और पचकुईयां निवासी मोहम्मद आबिद अंसारी को दो हजार 200 रुपये के साथ गिरफ्तार किया।

एक्सप्रेस वे पर ट्रक की टक्कर से एंबुलेंस पलटी, छह लोग घायल

सिटी चीफ...रतलाम। मुंबई-दिल्ली एक्सप्रेस-वे (एटलेन) पर हादसे हो रहे हैं। एटलेन पर शिवगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम काचला के समीप रविवार सुबह एक ट्रक ने आगे चल रही एंबुलेंस को जोरदार टक्कर मार दी। इससे एंबुलेंस पलट गई। इससे एंबुलेंस का चालक व उसमें सवार एक ही परिवार के पांच व्यक्ति घायल हो गए। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार दुर्घटना में एंबुलेंस चालक 40 वर्षीय अजय जयसिंघानी पुत्र कन्हैयालाल जयसिंघानी निवासी राजकोट, एंबुलेंस में सवार 40 वर्षीय मुकेश वर्मा पुत्र माधूलाल वर्मा निवासी भवानीमंडी (राजस्थान) हालमुकाम मोरबी (गुजरात), उसकी पत्नी 38 वर्षीय कन्याबाई, पुत्री 17 वर्षीय हेमलता, आठ वर्षीय परी व सात वर्षीय पुत्र सुनील घायल हो गए। चालक अजय ने बताया कि मुकेश परिवार के साथ मोरबी में रहकर एक फैक्ट्री में काम करते हैं। तीन-चार दिन पहले मुकेश के पिता माधूलाल वर्मा की घर पर तबीयत बिगड़ गई थी। वे जिस कमरे में थे उसका अंदर से दरवाजा लगा हुआ था। उन्हें निकालने के लिए मुकेश ने दरवाजे के कांच तोड़े थे तो कांच उसे लग गए थे। इससे वह घायल हो गया था। उसके पिता माधूलाल वर्मा को राजकोट के अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां शनिवार को उनका निधन हो गया था। अंतिम संस्कार करने के लिए मुकेश व उसके स्वजन उनकी एंबुलेंस से माधूलाल वर्मा का शव भवानीमंडी ले गए थे। मुकेश को इलाज कराने वापस राजकोट जाना था। अंतिम संस्कार करने के बाद शनिवार की रात करीब साढ़े बारह बजे वह भवानीमंडी से मुकेश व उसके स्वजन को लेकर एम्बुलेंस से वापस राजकोट जा रहा था, तभी सुबह करीब छह बजे पीछे से आए ट्रक ने एंबुलेंस को टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद चालक ट्रक लेकर भाग गया।

चकाचक हो रहे मंदिर, बहेगी राम भक्ति की धारा, राममय हो रही संस्कारधानी

सिटी चीफ... अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के पहले देश राम मय हो रहा है। इससे संस्कारधानी जबलपुर भी अछूता नहीं रहा। शहर में धीरे-धीरे राम भक्ति की छंटा बिखरने लगी है। घर-घर राम नाम के भगवा ध्वज लगाए जाने लगे हैं वहीं राममंदिर सहित अन्य मंदिरों की सफाई, धुलाई कर चकाचका किया जा रहा है। इन मंदिरों में 22 जनवरी को राममंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के दिन दीप जलाकर दोपात्सव भी भी मनाया जाएगा। मंदिरों में राम भक्ति की अविरल धारा रात भी बहेगी। गौतम जी की मढ़िया हनुमान मंदिर को झाड़ा, बुहारा- राममंदिर के साथ ही भक्त हनुमान के मंदिरों में भी विशेष रूप से साफ-सफाई कराई जा रही है मध्यप्रदेश शासन के निर्देशों के परिपालन में नगर निगम द्वारा मंदिरों की सफाई का अभियान शुरू कर दिया गया है। इसी कड़ी में रविवार को गढ़ा कछपुरा स्थित गौतम जी की मढ़िया हनुमान मंदिर परिसर की सफाई की गई। पूरे मंदिर परिसर को झाड़ा-बुहारा गया और पोंछा भी लगाया गया। कारसेवा में लोकनिर्माण विभाग के मंत्री राकेश सिंह भी शामिल हुए और मंदिर परिसर की फाई और धुलाई की। पुनीत कार्य में स्थानीय जनों एवं जनप्रतिनिधिगणों की भी बड़ी संख्या में भागीदारी रही। साफ सुधरे होंगे, मंदिर जलेंगे दीप- 22 जनवरी को अयोध्या में जहां राम नाम की गूंज रहेगी वहीं जबलपुर भी राम भक्ति से ओतप्रोत रहेगा। सभी मंदिर साफ-सुधरे होंगे, मंदिर, देवालयों में दीप भी जलेंगे। इस अवसर पर लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह सभी जनसमुदाय से आग्रह किया कि 22 जनवरी को अयोध्या में भगवान प्रभू श्रीराम के स्वरूप का प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में आयोजित इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाएं और संस्कारधानी जबलपुर के सभी धर्मस्थलों, मंदिरों एवं देवालयों में सफाई श्रमदान करें।

सभी लोग अपने-अपने घरों में दीपोत्सव मनाएं

22 जनवरी को सभी लोग अपने-अपने घरों में दीपोत्सव मनाकर घरों एवं आस-पास के क्षेत्रों में प्रकाश फैलाएं। इस अवसर पर, नगर निगम अध्यक्ष रिंकू विज, नेताप्रतिपक्ष कमलेश अग्रवाल, क्षेत्रीय पार्षद प्रिया तिवारी, पंकज दुबे, संदीप जैन, अभय सिंह ठाकुर, संदीप सिंह राठौर, श्रीकांत साहू, राजेश द्विवेदी, अजय तिवारी, रूपा राव, अंजू भार्गव, अपर कलेक्टर मिशा सिंह, अपर आयुक्त विद्यानंद बाजपेयी, अंजू सिंह, स्वास्थ्य अधिकारी भूपेंद्र सिंह, संभागीय अधिकारी दिनेश प्रताप सिंह आदि उपस्थित रहे।

अयोध्या में होने जा रहे भगवान श्री राम लाल की प्राण प्रतिष्ठा आगामी 22 जनवरी को अयोध्या में होने जा रहे भगवान श्री राम लाल की प्राण प्रतिष्ठा के पूर्व 14 जनवरी से लेकर 21 जनवरी तक भाजपा द्वारा वृहत्त स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है जिसके अंतर्गत समस्त मठ एवं मंदिरों में स्वच्छता हेतु साफ-सफाई की जा रही है। इसी तारतम्य में उत्तर विधानसभा के विधायक अभिलाष पांडे ने विवेकानंद वार्ड स्थित, बड़ी उखरी के पास पंचमुखी हनुमान मंदिर एवं राजीव गांधी वार्ड के मंदिर में वृहत्त स्वच्छता अभियान चलाया ।

दीपावली के पूर्व हम अपने घरों की साफ-सफाई करें विधायक अभिलाष पांडे ने कहा कि जिस तरह दीपावली के पूर्व हम अपने घरों की साफ-सफाई करें। इस तरह भाजपा द्वारा सभी मठ एवं मंदिरों में स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है , क्योंकि आगामी 22 जनवरी को भगवान श्री रामलला अयोध्या में विराजमान होंगे सभी दीपोत्सव मनाएंगे सजावट करेंगे। इस अवसर पर पार्षद सोनिया रंजीत सिंह, रंजीत पटेल, योगेश बिलोहा, अतुल जैन दानी, रंजीत सिंह, विंधयेश भापकर, मोनिका पुष्पेंद्र सिंह, मधुबाला राजपूत, रमेश रैकवार, नितिन मिश्रा, राहुल बेन, प्रकाश दहिया, आदि उपस्थित थे। 22 जनवरी को श्रीराम मंदिर अयोध्या में प्राण.प्रतिष्ठा को लेकर विशाल भगवा यात्रा का आयोजन किया गया। यह आयोजन जय महादेव युवा संगठन के दौरान किया गया। जिसमें सैकड़ों की संख्या में युवा शामिल हुए और श्रीराम के जयघोष के साथ घर-घर व आसपास के मंदिरों में श्रीराम जी का उत्सव मनाने की अपील की गई। वहीं भगवा यात्रा के दौरान स्वामी विवेकानंद के जन्मदिन पर उन्हें याद करते हुए उनके बताए हुए पथ मार्ग पर चलने का संकल्प लिया और जन जागृति फैलाई। सीता.राम एवं हनुमान जी की झांकी भी आकर्षण का केंद्र बनी रही और आयोजन के उपरांत विशाल भंडारा भी किया गया।

15 मार्च से पहले मालदीव से अपने सैनिक हटाए भारत, राष्ट्रपति मुइज्जू ने दिखाए तेवर

इंटरनेशनल डेस्क: चीन से लौटने के बाद मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के तेवर बदले-बदले नजर आ रहे हैं। मुइज्जू ने शनिवार को बीजिंग से लौटने के बाद कहा कि हम छोटे देश हैं लेकिन हमें कोई डरा नहीं सकता है। उनका यह बयान प्रधानमंत्री की लक्षद्वीप यात्रा के करीब 10 दिनों बाद आया है। वहीं, मुइज्जू ने रविवार को भारत सरकार से 15 मार्च से पहले भारतीय सैनिकों को बुलाने के लिए कहा है। उनका यह मालदीव में भारतीय उच्चायोग के अधिकारियों और माले में विदेश मंत्रालय के अधिकारियों के बीच एक बैठक के बाद आया है। मालदीव के राष्ट्रपति कार्यालय के नीति निदेशक अब्दुल्ला नाजिम ने कहा कि राष्ट्रपति मुइज्जू ने मालदीव से भारतीय सैनिकों को वापस बुलाने का प्रस्ताव दिया है। अधाधू अखबार ने नाजिम के हवाले से कहा, बैठक के दौरान राष्ट्रपति ने 15 मार्च से पहले भारतीय सैनिकों को हटाने का प्रस्ताव रखा। सरकार, राष्ट्रपति कार्यालय और राष्ट्रपति ने बैठक के एजेंडे के लिए इस तारीख का प्रस्ताव रखा है। उन पर चर्चा अभी चल रही है। हालांकि, विदेश मंत्रालय ने अब तक कथित बैठक पर कोई बयान जारी नहीं किया है। मालदीव के लोग यही चाहते हैं स्थानीय अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, नाजिम ने आगे कहा कि भारतीय सैनिक मालदीव में नहीं रह सकते और लोग यही चाहते हैं। उन्होंने कहा, सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भारतीय सैनिक इस देश में नहीं रह सकते। यही इस सरकार की नीति है। यही राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू का वादा है और लोग यही चाहते हैं। मालदीव के अधिकारी ने कहा कि भारतीय उच्चायुक्त मुनु महावर और कुछ वरिष्ठ अधिकारी बैठक में भाग ले रहे हैं, जबकि मालदीव के विदेश मंत्रालय और राष्ट्रपति कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारी मालदीव का प्रतिनिधित्व करेंगे। नाजिम ने कहा, बैठक में भारतीय उच्चायुक्त और संयुक्त सचिव के साथ-साथ भारत के कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी भाग ले रहे हैं। विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी और राष्ट्रपति कार्यालय के कुछ वरिष्ठ अधिकारी भी मालदीव की ओर से भाग ले रहे हैं। अधाधु अखबार के अनुसार, बैठक में अधिकारियों में राष्ट्रपति कार्यालय के चीफ ऑफ स्टाफ अब्दुल्ला फैयाज, बड़े राजदूत अली नसीर, भारत में मालदीव के राजदूत इब्राहिम शाहीब और रक्षा बल के प्रमुख अब्दुल रहीम अब्दुल लतीफ शामिल हैं। 77 भारतीय सैनिक मालदीव में मौजूद मालदीव में भारतीय सैनिकों को हटाना मुइज्जू की पार्टी का मुख्य अभियान था। वर्तमान में, मालदीव में डोर्नियर 228 समुद्री गश्ती विमान और दो एचएएल ध्रुव हेलीकॉप्टरों के साथ लगभग 70 भारतीय सैनिक तैनात हैं। पद संभालने के दूसरे दिन मुइज्जू ने आधिकारिक तौर पर भारत सरकार से मालदीव से अपने सैन्य कर्मियों को वापस बुलाने का अनुरोध किया। पिछले साल दिसंबर में राष्ट्रपति मुइज्जू ने दावा किया था कि भारत सरकार के साथ बातचीत के बाद भारतीय सैन्यकर्मियों को वापस बुलाने पर सहमति बनी है। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लक्षद्वीप यात्रा के खिलाफ मालदीव के कुछ उपमंत्रियों और सरकारी अधिकारियों द्वारा की गई अपमानजनक टिप्पणियों पर राजनयिक विवाद छिड़ गया। पूर्व राष्ट्रपतियों और मंत्रियों सहित मालदीव के कई राजनेताओं ने भी टिप्पणियों की निंदा की और दोहराया कि भारत द्वीप राष्ट्र के लिए एक करीबी और महत्वपूर्ण भागीदार है। सोशल मीडिया पर बायकॉट मालदीव और द्वीप देश की निर्धारित यात्राओं को रद्द करने की हड़बड़ाहट के बीच, मालदीव सरकार ने अपने मंत्रियों द्वारा की गई टिप्पणियों से खुद को दूर कर लिया। इस बीच, राष्ट्रपति शी जिनपिंग के निमंत्रण पर मुइज्जू 7-12 जनवरी तक चीन की राजकीय यात्रा पर थे। शी ने राष्ट्रपति मुइज्जू और प्रथम महिला साजिदा मोहम्मद के लिए राजकीय भोज का भी आयोजन किया।

चीन की चेतावनी- इस महीने फिर बढ़ सकते हैं कोरोना के मामले, रिपोर्ट में दावा

चीन में नए साल से अब तक कोरोना के मामले तुलनात्मक तौर पर कम रहे हैं, लेकिन अब चीन की सरकार ने चेतावनी दी है कि इस महीने कोरोना संक्रमण के मामलों में तेजी आ सकती है। चीन के सरकारी मीडिया ने अपनी रिपोर्ट में यह दावा किया है। चीन में कोरोना संक्रमण बढ़ने का खतरा दरअसल चीन के नेशनल हेल्थ कमीशन के प्रवक्ता मी फेंग ने मीडिया से बातचीत में बताया कि चीन के अस्पतालों में बुखार के मरीज फिलहाल कम हैं, लेकिन सांस संबंधी बीमारियों जैसे इंफ्लुएंजा और कोविड19 का खतरा अभी भी बना हुआ है। विशेषज्ञों का कहना है कि चीन में सर्दी की वजह से इंफ्लुएंजा वायरस और सांस संबंधी बीमारियां जैसे कोविड19 के मामले बढ़ सकते हैं। चीन की सरकार ने बताया कि उनके देश में इन्फ्लुएंजा संक्रमण की शुरुआत अक्तूबर में होती है। देश के दक्षिणी प्रांतों में इंफ्लुएंजा के मामलों में 36.8 प्रतिशत का उछाल देखा गया है। वहीं उत्तरी राज्यों में 57 प्रतिशत मामले बढ़े हैं। चीन की सरकार का कहना है कि कई मामलों में ऐसा देखा गया है कि जिन मरीजों को इंफ्लुएंजा ए वायरस का संक्रमण हुआ, उन्हें इंफ्लुएंजा बी वायरस का संक्रमण भी हुआ। इसका मतलब है कि इंफ्लुएंजा संक्रमण से उनकी इम्युनिटी कमजोर हुई। ऐसे में आशंका है कि कमजोर इम्युनिटी के लोग कोरोना संक्रमण के भी शिकार हो सकते हैं।

इंडोनेशिया के माउंट मरापी जवालामुखी में फिर विस्फोट

इंटरनेशनल डेस्क: इंडोनेशिया के माउंट मरापी ज्वालामुखी में रविवार को फिर से विस्फोट हो गया, जिससे हवा में दूर-दूर तक धुआं और राख फैल गई। हालांकि किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। वेस्ट सुमात्रा प्रांत में 'द मरापी वॉल्केनो ऑब्जर्वेशन पोस्ट% ने विस्फोट के दौरान लगभग 1,300 मीटर ऊंचाई तक राख का गुबार दर्ज किया और उसके बाद मानो राख की बारिश होने लगी हो। आसपास के गांवों की सड़कें और वाहन राख से अट गये। इंडोनेशियाई अधिकारियों द्वारा बुधवार को चेतावनी जारी कर कहा गया था कि ज्वालामुखी का स्तर दो से तीन या दूसरे उच्चतम स्तर तक बढ़ाने की आशंका है, जिसके बाद शुक्रवार को आसपास के इलाकों से कम से कम 100 लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया गया। मरापी ज्वालामुखी में अचानक इस तरह के विस्फोट होते रहते हैं। चूंकि ऐसा मैग्मा की हलचल के कारण नहीं होता, इसीलिए विस्फोट के बारे में पूर्वानुमान लगाना कठिन होता है। दिसंबर की शुरुआत में भी यहां ज्वालामुखी में विस्फोट हुआ था, जिससे 24 पर्वतारोहियों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हो गए थे।

हमने बंधकों को छुड़ाने की उम्मीद नहीं छोड़ी है, इस्राइल हमास युद्ध के 100 दिन पूरे होने पर बोले बाइडन

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने इस्राइल-हमास युद्ध के 100 दिन पूरे होने पर कहा कि बंधकों को छुड़ाने की कोशिशें जारी हैं और उन्होंने अभी तक उम्मीद नहीं छोड़ी है। बाइडन ने अपने बयान में कहा कि नवंबर में कतर, मिस्त्र और इस्राइल के साथ मिलकर काम करते हुए हमने इस्राइल और हमास के बीच सात दिन का युद्धविराम कराया था। इस दौरान 105 बंधकों को रिहा कराया गया, जिनमें एक चार साल की बच्ची भी शामिल थी। साथ ही गाजा में मानवीय मदद भी भेजी गई। हम इस डील को आगे बढ़ाने के इच्छुक थे, लेकिन दुख की बात है कि हमास एक हफ्ते बाद ही इस डील से हट गया। बाइडन बोले- हम सहयोगियों के साथ मिलकर रास्ते तलाश रहे बाइडन ने कहा किअमेरिका और हमारे सहयोगी देशों ने अभी तक उम्मीद नहीं छोड़ी है। विदेश मंत्री ब्लिंकन पिछले हफ्ते ही युद्ध विराम के लिए रास्ता निकालने और बंधकों को छुड़ाने की डील पर बातचीत के लिए मध्य एशिया के दौरे पर गए थे। हम अपने करीबी सहयोगियों कतर, मिस्त्र और इस्राइल के संपर्क में हैं ताकि सभी बंधकों को सुरक्षित घर वापस लाया सके।% 100 बंधक अभी भी हमास की कैद में हैं, जिनमें छ अमेरिकी नागरिक भी हैं। इस्राइल हमास युद्ध को चलते हुए 100 दिन पूरे होने पर बाइडन ने कहा किआज हमने त्रासदीपूर्ण और दुखभरे 100 दिन पूरे कर दिए हैं।% बाइडन ने कहा किबंधकों के परिजनों से मुलाकात के दौरान मैंने जो दुख भरी दास्तानें सुनीं, मैं उन्हें कभी नहीं भूल सकता। किसी को भी एक दिन के लिए भी ऐसे दुख का सामना ना करना पड़े, जैसे दुख का सामना वो लोग कर रहे हैं। आज इस दिन मैं फिर से अपनी शपथ दोहराता हूं कि हम सभी बंधकों और उनके परिजनों के साथ हैं। हम अमेरिकियों को घर वापस लाने के लिए काम करते रहेंगे।% इस्राइल हमास युद्ध को 100 दिन पूरे बीती 7 अक्तूबर को हमास के आतंकियों ने इस्राइल की सीमा में घुसकर हमला कर 1200 इस्राइली नागरिकों की हत्या कर दी थी। साथ ही 200 सेयादा लोगों को बंधक बना लिया था। इसके बाद इस्राइल ने गाजा में हमास के ठिकानों पर जवाबी कार्रवाई की, जिसमें गाजा में 20 हजार सेयादा लोगों की जान जा चुकी है। इस लड़ाई को शुरू हुए 100 दिन पूरे हो चुके हैं और अभी भी इस्राइल का गाजा में ऑपरेशन चल रहा है। साथ ही 100 के करीब बंधक अभी भी हमास की कैद में हैं।

अब किन्नरों ने किया ये बड़ा ऐलान 22 जनवरी को खास बनाने के लिए लिया फैसला

नेशनल डेस्क- किन्नर समुदाय ने बरेली में एक अद्वितीय पहल की योजना बनाई है, जिसमें वे 22 जनवरी को राम मंदिर में होने वालेप्राण प्रतिष्ठा% समारोह के दिन पैदा हुए नवजात बच्चों को आशीर्वाद देने का एक अनूठा तरीका अपना रहें है। समुदाय के सदस्यों ने एक घोषणा करते हुए कहा है कि वे माता-पिता से पारंपरिक उपहार और पैसे नहीं मांगेंगे हैं बल्कि वे जो भी मिलेगा, उसे सहर्ष स्वीकार करेंगे। समुदाय की सदस्य शारदा ने बताया, हम उन परिवारों के घरों में जाएंगे जिनके बच्चे मंदिर मेंप्राण प्रतिष्ठा% के दिन पैदा हुए हैं और उन्हें बधाई गीत गाएंगे। हम इन परिवारों से नेग (पैसा या उपहार) नहीं मांगेंगे, बल्कि वे हमें जो भी देंगे, उसे सहर्ष स्वीकार करेंगे। हर साल वंचित परिवारों के पांच बच्चों की स्कूल फीस भरने वाली शारदा ने कहा कि वे इलाके के हर घर में पांच दीपक भेज रहे हैं ताकि हर कोई 22 जनवरी को अपने घरों में दीपक जला सके। हम अपने जीवन में राम मंदिर के दर्शन करने के लिए बहुत भाग्यशाली हैं। लगभग 500 वर्षों तक चले इस संघर्ष में, कई लोग भगवान राम के मंदिर को देखने की अधूरी इच्छा के साथ मर गए। शारदा ने आगे कहा, उन्होंने कहा कि जब भगवान राम वनवास जा रहे थे तो अवध के सभी लोग उनके पीछे चलने लगे, लेकिन फिर उनके अनुरोध पर किन्नरों को छोड़कर सभी लोग अयोध्या लौट आए। उन्होंने भगवान राम की स्तुति में भजन गाए और तमसा नदी के पास 14 वर्षों तक उनकी पूजा की। जब वह अपने राज्य में लौटे, तो वह उनके प्रति उनकी भक्ति देखकर प्रसन्न हुए और उन्होंने उन्हेंवरदान% (वरदान) दिया कि यदि किन्नरों ने बधाई गीत गाकर नवजात शिशुओं को आशीर्वाद दिया, तो बच्चे जीवन में समृद्ध होंगे। शारदा ने कहा, आज यह भगवान राम की कृपा है कि हम बच्चों को आशीर्वाद देते हैं।

कांग्रेस नेता अखिलेश सिंह ने कहा- भाजपा ने भगवान राम को बनाया राजनीतिक हथियार

पटना- बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि भाजपा ने भगवान राम को अपना राजनीतिक हथियार बना लिया है। अखिलेश सिंह ने रविवार को कहा कि धर्म को राजनीति के साथ मिलाना एक खतरनाक प्रवृत्ति है, जिसके दूरगामी खतरनाक परिणाम हो सकते हैं। भाजपा ने भगवान राम को बनाया राजनीतिक हथियार अखिलेश सिंह ने कहा कि अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले भाजपा ने भगवान राम को अपना राजनीतिक हथियार बनाया है, जो राजनीति के लिए अच्छा नहीं है। उन्होंने कहा, ''ऐसा लगता है कि भाजपा ने लोगों को धर्म की अफीम का स्वाद चखने के लिए उकसाकर पूरे राजनीतिक परिदृश्य को खराब कर दिया है। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार के शासन में महान स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को भुला दिया गया है। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को याद करना स्वाभाविक है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा, बिंदेश्वरी दुबे एक अनुभवी स्वतंत्रता सेनानी और श्रमिक संघ नेता थे, जिनके योगदान को राष्ट्र में हमेशा याद किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बिंदेश्वरी दुबे बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष भी थे और बाद में बिहार के मुख्यमंत्री बने। उनकी 103वीं जयंती पर कांग्रेस नेता ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

सैन्य क्षमताओं को मजबूत कर रहा उत्तर कोरिया, ठोस ईंधन चालित हाइपरसोनिक मिसाइल के परीक्षण का दावा

उत्तर कोरिया लगातार अपने हथियारों के बेड़े को मजबूत करता जा रहा है। अब उसने एक हाइपरसोनिक वारहेड ले जाने वाली मध्यम दूरी की ठोस ईंधन वाली बैलिस्टिक मिसाइल (आईआरबीएम) का सफल परीक्षण किया है। बताया जा रहा है इस मिसाइल को अमेरिका के दूरस्थ ठिकानों पर हमला करने के लिए तैयार किया गया है। गौरतलब है, एक दिन पहले ही दक्षिण कोरिया और जापान की सेना ने इस बात की जानकारी दी थी कि उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग से एक मिसाइल दागी गई है, जो इस साल का पहला मिसाइल प्रक्षेपण है। रविवार दोपहर किया परीक्षण एक रिपोर्ट के अनुसार, मिसाइल रविवार दोपहर छोड़ी गई। इसका मकसद नए मल्टी-स्टेज, हाई-थ्रस्ट सॉलिड-फ्यूल इंजन और इंटरमीडिएट-रेंज हाइपरसोनिक की विश्वसनीयता का परीक्षण करना था। बताया जा रहा ये मिसाइल कोरियाई प्रायद्वीप और जापान के बीच समुद्र में जाकर गिरी। पड़ोसी देश की सुरक्षा नहीं हुई प्रभावित मिसाइल जनरल ब्यूरो का कहना है कि यह परीक्षण शक्तिशाली हथियार प्रणाली विकसित करने की नियमित गतिविधियों के तहत किया गया। वहीं, उत्तर कोरिया ने यह भी एलान किया कि इस परीक्षण से किसी भी पड़ोसी देश की सुरक्षा प्रभावित नहीं हुई और इसका क्षेत्रीय स्थिति से कोई लेना-देना नहीं है। दक्षिण कोरिया ने दी धमकी दक्षिण कोरिया की सेना ने रविवार को कहा था कि उत्तर कोरिया ने इंटरमीडिएट रेंज की एक बैलिस्टिक मिसाइल दागी, जो 1000 किलोमीटर की दूरी पर समुद्र में गिर गई। सेना को प्योंगयांग या उसके आसपास के इलाके में दोपहर करीब दो बजकर 55 मिनट (स्थानीय समयानुसार) पर प्रक्षेपण का पता चला था। वहीं दक्षिण कोरिया ने धमकी दी है कि अगर उत्तर कोरिया इसी तरह परीक्षण करता रहा तो कोरियाई प्रायद्वीप में कभी भी युद्ध के बादल मंडरा सकते हैं। पहले से ही था अंदेशा 18 दिसंबर को ठोस ईंधन वाली ह्वासोंग-18 अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल दागे जाने के बाद से उत्तर कोरिया का यह पहला मिसाइल प्रक्षेपण है। पिछले हफ्ते, दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्री शिन वोन-सिक ने कहा था कि उत्तर कोरिया इस महीने की शुरुआत में एक नए प्रकार के आईआरबीएम का परीक्षण कर सकता है।

पायलट ने किया विमान की उड़ान में देरी का एलान तो यात्री ने कर दिया हमला

नई दिल्ली- सिलसिला लगातार जारी है। इस बीच दिल्ली में एक विमान के उड़ान भरने में देरी को लेकर एक यात्री इतना नाराज हो गया कि उसने फ्लाइट के कैप्टन पर ही हमला बोल दिया। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। यात्री ने पायलट पर किया हमला इस वीडियो में शख्स को पायलट को घूंसा मारते देखा जा सकता है। विमानन सुरक्षा एजेंसी ने इस घटना का संज्ञान लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। बताया गया है कि यह घटना तब हुई जब पायलट माइक्रोफोन पर यात्रियों को दिल्ली से गोवा जा रही फ्लाइट के कोहरे के चलते लेट होने की जानकारी दे रहा था। इसी दौरान यात्री ने पायलट को घूंसा मार दिया। यह घटना रविवार की दोपहर एक बजे की है। यात्री की पहचान साहिल कटारिया के तौर पर की गई है। दिल्ली पुलिस ने इस घटना पर कहा,आरोपी के खिलाफ हम उचित कानूनी कार्रवाई करेंगे।% इंडिगो ने भी यात्री के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। लोगों ने की यात्री को नो-फ्लाई-लिस्ट में डालने की अपील इस घटना का वीडियो वायरल होते ही लोगों की प्रतिक्रिया सामने आई। एक यूजर ने कहा,उड़ान में देरी को लेकर पायलट क्या कर सकता है? वह केवल अपना काम कर रहा था। इस व्यक्ति को गिरफ्तार कर इसे नो-फ्लाई लिस्ट में डाल देना चाहिए। इसकी तस्वीर को सार्वजनिक करना चाहिए, जिससे की अन्य लोगों को इसके बुरे व्यवहार के बारे में मालूम होना चाहिए। वहीं एक अन्य यूजर ने कहा,इस व्यक्ति पर हमला करने का मामला दर्ज करना चाहिए। इसे नो-फ्लाई-लिस्ट में डाल देना चाहिए। यात्री का यह व्यवहार अस्वीकार्य है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569